केरलः तिरुवनंतपुरम के कोवलम समुद्र तट में सूर्य अस्त होने का इस साल का आखिरी दृश्य।

जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्षः27 अंकः 21 दिनांकः 01-01-2022 शनिवार मूल्य : 100 पैसा पृष्ठः4 अहमदाबाद M

देश-दुनिया में नए साल के स्वागत अपने-अपने तरीके से करने की तैयारी है। साल 2021 अपनी खट्टी-मीठी यादों के साथ विदाई लेने को तैयार है और साल 2022 का आगमन होने को है।

नए साल से सस्ते कपड़े पर नहीं बढ़ेंगी जीएसटी दरें

नई दिल्ली (ईएमएस)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में दिल्ली में जीएसटी काउंसिल की 46वीं बैठक में हुई। जानकारी के मुताबिक बैठक में सस्ते कपड़ों पर जीएसटी दरें 5 फीसदी से बढ़ाकर 12 फीसदी करने पर सहमति नहीं बनी है। इससे आम आदमी को बड़ी राहत मिलेगी। नए साल में रेडीमेड गारमेंट्स अब महंगे नहीं होंगे। बैठक में तमिलनाडु के वित्त मंत्री ने कहा टेक्सटाइल पर जीएसटी दरें बढ़ाने के प्रस्ताव को इस समय लागू करना सही नहीं है क्योंकि कोरोना महामारी अभी भी जारी है। टेक्सटाइल्स इंडस्ट्री अभी भी संकट से बाहर नहीं आई है। गौरतहि है ?कि जीएसटी (गुड्स एंड सर्विस टैक्स) पर सभी फैसले जीएसटी काउंसिल लेती है। बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय वित्त मंत्री करती है। साथ ही राज्यों के वित्त मंत्री भी इसमें शामिल होते हैं। जीएसटी काउंसिल की 46वीं बैठक में शामिल हुए कई राज्यों के वित्त मंत्री कपड़े और फुटवियर की इंडस्ट्री जीएसटी काउंसिल के सितंबर में लिए गए फैसले के खिलाफ रहे हैं। इस बैठक में 1 जनवरी से कपड़ों और फुटवियर पर जीएसटी रेट को बढ़ाने से ड्यूटी स्ट्रक्चर को सही करने का फैसला किया गया था।

तिब्बती कार्यक्रम में भारतीय सांसद हुए शामिल, चीन उठाई आपत्ति

-निर्वासन में तिब्बती सरकार एक बाहरी अलगाववादी राजनीतिक समूह:झोउ

नई दिल्ली(ईएमएस)। भारतीय सांसदों के शामिल होने पर चीन ने आपत्ति उठाई है। चीन ने सांसदों को चिट्ठी लिखकर उनसे तिब्बती स्वतंत्रता के लिए समर्थन करने से बचने को कहा है। भारत के छह सांसदों द्वारा तिब्बत की निर्वासित सरकार के कार्यक्रम में शामिल होने के बाद भारत में चीनी दूतावास के राजनीतिक परामर्शदाता झोउ योंगशेंग ने कहा कि जैसा कि सभी जानते हैं, तथाकथित 'निर्वासन में तिब्बती सरकार' एक बाहरी अलगाववादी राजनीतिक समूह है और पूरी तरह से चीन के संविधान और कानूनों का उल्लंघन करने वाला एक अवैध संगठन है। यह दुनिया के किसी भी देश द्वारा मान्यता प्राप्त नहीं है। तिब्बत की निर्वासित सरकार ने 22 दिसंबर को दिल्ली के एक होटल में कार्यक्रम आयोजित किया था। इस कार्यक्रम को आल इंडियन पार्लियामेंट्री फोरम फार तिब्बत ने आयोजित किया था। इस बैठक में कांग्रेस सांसद जयराम रमेश और मनीष तिवारी, बीजद के सुजीत कुमार, भाजपा की मेनका गांधी और केसी राममूर्ति और कौशल विकास, इलेक्ट्रॉनिक्स और प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने हिस्सा लिया था। इस कार्यक्रम में शामिल हुए सांसदों की राय ये थी कि तिब्बत पर चीन का कब्जा गैर कानूनी है और तिब्बत को अंतरराष्ट्रीय जगत से जो मदद मिलनी चाहिए थी, वो नहीं मिली।

तिब्बत पर फोरम 1971 की है और इसमें अटल बिहारी वाजपेयी, जॉर्ज फर्नांडीस और मोहम्मदली करीम छागला जैसे हस्तियों की एक विशिष्ट सूची है। नाम न बताने के इच्छुक एक सांसद ने कहा कि प्रतिभागियों ने अपने राजनीतिक दलों को बोर्ड में ले लिया था और वे एकतरफा बैठक में शामिल नहीं हुए और उन्होंने कहा कि चीनी दूतावास अक्सर राजनेताओं को पत्र भेजकर उन मुद्दों पर अपनी राय व्यक्त करता है जो बीजिंग के लिए महत्वपूर्ण थे। बीजद के कुमार ने कहा कि मंच एक सांस्कृतिक संगठन है जो तिब्बती विरासत और तिब्बती शरणार्थियों से संबंधित मुद्दों को बढ़ावा देता है।

सीएम धामी के कंधे पर पीएम मोदी ने हाथ रखकर पार्टी नेताओं को दिया सख्त संदेश

देहरादून (ईएमएस)। पीएम मोदी ने उत्तराखंड को 17,500 करोड़ रुपए की 23 परियोजनाओं का तोहफा दिया। साथ ही विधानसभा चुनाव से पहले कई राजनीतिक संदेश भी दे गए। हल्द्वानी में कार्यक्रम के दौरान न सिर्फ उन्होंने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की तारीफ की, बल्कि उनके कंधे पर हाथ रखकर शाबासी भी दी। पीएम मोदी संग धामी की इस तस्वीर के सियासी मायने निकाले जा रहे हैं। कहा जा रहा है कि पीएम मोदी ने जिस तरह यूपी में योगी के कंधे पर हाथकर पार्टी में मुख्यमंत्री के खिलाफ गुटबाजी में जुटे नेताओं को संदेश दिया था, कुछ उसी तरह का मैसेज उन्होंने उत्तराखंड में भी भाजपा नेताओं को दिया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देहरादून में आयोजित जनसभा के बाद हल्द्वानी में हुई जनसभा के दौरान भी एक बार फिर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की तारीफ की। सेना के हेलीपैड पर हेलीकॉप्टर में बैठने से पहले पीएम मोदी ने सीएम धामी के कंधे पर हाथ रखकर शाबासी दी और अंगुली के फ्रैक्चर का ध्यान देने की बात कही।

स्थानीय एमबी इंटर कॉलेज के मैदान में आयोजित रैली में पुष्कर सिंह धामी ने उत्तराखंड की खुलकर मदद करने के लिए पीएम का आभार व्यक्त किया। सीएम धामी ने कहा कि उनकी सरकार जिस तेजी से विकास कार्य कर रही है और जनहित के निर्णय ले रही है, उसके पीछे प्रधानमंत्री मोदी का मार्गदर्शन और केंद्र से उत्तराखंड को निरंतर मिल रही मदद है। मोदी ने ताली बजाकर सीएम योगी आदित्यनाथ के भाषण की सराहना की।

पहाड़ी राज्य उत्तराखंड में 2017 के विधानसभा चुनाव में बहुमत हासिल करने के बाद भी भाजपा का सफर आसान नहीं रहा है। भाजपा को 5 साल में तीन चेहरों पर दांव खेलना पड़ा। पहले त्रिवेंद्र रावत, फिर तीरथ सिंह रावत मुख्यमंत्री बनाए गए। इसके बाद पुष्कर सिंह धामी को मुख्यमंत्री बनाया गया। उत्तराखंड के सबसे युवा मुख्यमंत्री के तौर पर धामी के लिए पार्टी को एकजुट रखना बड़ी चुनौती है। हाल ही में कैबिनेट मंत्री हरक सिंह रावत की नाराजगी की खबर सामने आई थी। बताया जा रहा है कि हरक सिंह रावत अपने इस्तीफे की पेशकश कर चुके थे, लेकिन धामी डैमेज कंट्रोल में कामयाब रहे।

राम मंदिर का हो रहा निर्माण, किसी में दम है तो रोक लो : अमित शाह

लखनऊ (ईएमएस)। भाजपा अपने यूपी मिशन के लिए जी जान से सक्रिय हो गई है। विधानसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रचार अभियान को आगे बढ़ाते हुए केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह शुक्रवार को अयोध्या पहुंचे हैं। यहां उन्होंने रामजन्म भूमि परिसर में पौधारोपण किया। जिसके बाद उन्होंने यहां हनुमानगढ़ी और रामलला के दर्शन किए। साथ ही राम मंदिर उन्होंने राम मंदिर का निर्माण रोकने की भी चुनौती दी। शाह ने रामलला के दर्शन के बाद शाह ने मंदिर परिसर में पौधा रोपण किया और इसके बाद हनुमानगढ़ी मंदिर में दर्शन पूजन किया। इसके बाद भारतीय जनता पार्टी की जन विश्वास यात्रा की जनसभा में कश्मीर से अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्रावधान हटाने की चर्चा करते हुए शाह ने कहा, ''सपा, बसपा, कांग्रेस और ममता बनर्जी सभी इकट्ठे होकर 370 हटाने का विरोध कर रहे थे, सालों से हम स्वप्न देख रहे थे कि कब हमारा कश्मीर भारत का अभिन्न अंग हो जाए और पांच अगस्त 2019 को संसद में मोदी जी ने 370 को उखाड़ कर फेंक दिया। शाह ने कहा कि यह अखिलेश अयोध्या में वोट मांगने आए तो पूछना कि कारसेवकों का दोष क्या था, आपकी सरकार ने गोली क्यों चलवाई और अनुच्छेद 370 के प्रावधानों को हटने में आपको क्या आपत्ति है। शाह ने कहा कि, ''मोदी जी ने ट्रिपल तलाक हटा दिया तो ये लोग रोना रो रहे हैं, ट्रिपल तलाक लाओ, ट्रिपल तलाक लाओ। अखिलेश बाबू आपकी दूसरी पीढ़ी भी आ जाएगी, तब भी न 370 वापस आने वाला है, न ट्रिपल तलाक वापस आएगा। उन्होंने कहा कि जब केंद्र में कांग्रेस की सरकार थी, सपा-बसपा समर्थन करते थे और आए दिन पाकिस्तान से आलिया, जमालिया घुसते थे और हमारे जवानों के सिर काट कर ले जाते थे और कांग्रेस पार्टी के माथे पर जूं नहीं रेंगती थी लेकिन मोदी जी प्रधानमंत्री बने तो पुलवामा और उरी पर हमला हुआ तो दस दिन के ही अंदर मोदी जी ने एयर स्ट्राइक और सर्जिकल स्ट्राइक कर पाकिस्तान के घर में घुसकर आतंकवादियों का सफाया किया। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष को आड़े हाथों लेते हुए शाह ने कहा, ''राहुल बाबा कहते हैं कि जो सर्जिकल स्ट्राइक कर रहे हो, उसका प्रमाण चाहिए। मोदी जी देश को समृद्ध और सुरक्षित करने का प्रयास कर रहे हैं। अयोध्या में श्री राम जन्म भूमि के भव्य मंदिर निर्माण का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देते हुए शाह ने कहा, ''इस भूमि ने सालों तक प्रभु श्री राम लला के लिए संघर्ष किया और यहां विनाश भी हुआ, निर्माण भी हुआ मगर हर बार विनाश पर निर्माण ने विजय प्राप्त की। इस सदी में भी हजारों लाखों लोगों ने प्रभु श्रीराम के जन्म स्थान पर बलिदान दिए, पीढ़ियों तक पगड़ी नहीं पहनी, सालों तक जूते नहीं पहने, कई पीढ़ियों तक मीठा नहीं खाया, कई संतों, महंतों ने अपनी देह का त्याग किया मगर प्रभु श्री राम की जन्मभूमि पर मंदिर निर्माण का स्वप्न सच नहीं हुआ।'' गृह मंत्री ने कहा किआजादी के बाद पहले गृह मंत्री सरदार पटेल ने सोमनाथ के ज्योतिर्लिंग का निर्माण कराया था और आजादी के 75 साल बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने श्री राम लला के भव्य मंदिर का शिला पूजन करने का कार्य किया। सपा, बसपा और कांग्रेस पर आरोप लगाते हुए शाह ने कहा कि इसको रोकने के लिए सपा, बसपा, कांग्रेस जब भी शासन में रहे, ढेर सारे प्रयास किए, आप सबको याद है या नहीं है- कारसेवकों पर गोली चलवाई थी, याद है या नहीं है, राम सेवकों पर डंडे चलवाए थे, याद है या नहीं है। राम सेवकों को मारकर मां सरयू में बहा दिया गया था, याद है या नहीं है। उन्होंने कहा, ''आज मैं देखकर आया हूं राम लला मंदिर उसी स्थान पर जोर शोर से बन रहा है, जो रोकना चाहते थे, उन सभी को कहना चाहता हूं कि रोक सको तो रोक लो क्योंकि किसी में रोकने का दम नहीं है। जहां प्रभु श्रीराम का जन्म हुआ था, उसी स्थान पर देखते देखते कुछ ही महीनों में आकाश को छूने वाला राम मंदिर बनने वाला है। भाजपा के पूर्व अध्यक्ष ने 2022 में अपनी पार्टी की उप्र में फिर से सरकार बनाने का आह्वान करते हुए कहा, ''अयोध्या वासियों, देश के नागरिकों और यूपी के लोगों के लिए सोचने का समय है कि इतने साल रामलला को टेंट में क्यों रहना पड़ा, इतने साल राम मंदिर को किसने रोक कर रखा, कारसेवकों पर किसने गोलियां चलाई, रामनवमी के उत्सव को कौन बंद कर दिए थे, दीपोत्सव को कौन बंद कर दिए थे, राम भक्तों पर डंडा किसने चलाया था, यह हम सबको याद रखना है।'' शाह ने आरोप लगाया कि ''सपा, बसपा के शासन में, बुआ-बबुआ के शासन में हमारे आस्था के प्रतीकों का सम्मान नहीं होता था। आज नरेंद्र मोदी जी और यूपी के मुख्यमंत्री योगी जी हर एक आस्था स्थल को गौरव प्रदान करने का कार्य कर रहे हैं, यह हम सबके लिए आनन्द का विषय है।

कार्टून कोना

लगातार तीसरी बार छोटी बचत योजनाओं की ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली (ईएमएस)। बजट से पहले केंद्र सरकार ने लगातार तीसरी बार छोटी बचत योजनाओं की ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया है। आशंका जताई जा रही थी कि कर्ज की दरों में गिरावट के कारण जमा या अन्य बचत योजनाओं की ब्याज दरों में भी कमी की जा सकती है।

सार्वजनिक भविष्य निधि और राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र पर चौथी तिमाही में भी क्रमशः 7.1 प्रतिशत और 6.8 प्रतिशत की वार्षिक ब्याज दर मिलती रहेगी। वित्त मंत्रालय ने कहा है कि वित्त वर्ष 2021-22 की चौथी तिमाही (एक जनवरी, 2022 से शुरू होकर 31 मार्च, 2022 को समाप्त होने वाली) के लिए विभिन्न लघु बचत योजनाओं पर ब्याज दरें तीसरी तिमाही (1 अक्टूबर, 2021 से 31 दिसंबर, 2021) के लिए लागू वर्तमान दरों के समान रहेंगी।सरकार ने पांच राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव को देखते हुए दरों को बरकरार रखा है। पश्चिम बंगाल के बाद उत्तर प्रदेश लघु बचत योजना में दूसरा सबसे बड़ा योगदानकर्ता है।

इस साल की शुरुआत में पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दौरान केंद्र ने ब्याज दर घटाने का फैसला किया था। लेकिन वित्त मंत्रालय ने चूक का हवाला देते हुए छोटी बचत योजनाओं पर पहली तिमाही के लिए 1.1 प्रतिशत तक की ब्याज दर में कटौती को तुरंत रद्द कर दिया। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही की दरों को पिछले वित्त वर्ष की चौथी तिमाही के स्तर पर बनाए रखा गया था। उस कटौती को कई दशकों में सबसे तेज कटौती के रूप में देखा गया था।

छोटी बचत योजनाओं के लिए ब्याज दरें हर तिमाही आधार पर जारी की जाती हैं। एक वर्षीय एफडी पर चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही के दौरान की 5.5 प्रतिशत की ब्याज दर जारी रहेगी, जबकि बालिका बचत योजना सुकन्या समृद्धि योजना पर ब्याज दर 7.6 प्रतिशत रहेगी।

पांच साल की वरिष्ठ नागरिक बचत योजना पर ब्याज दर 7.4 प्रतिशत पर बरकरार रहेगी। वरिष्ठ नागरिकों की योजना पर ब्याज का भुगतान त्रैमासिक आधार पर किया जाता है। बचत जमा पर ब्याज दर चार प्रतिशत सालाना बनी रहेगी। एक से पांच साल की सावधि जमा पर 5.5-6.7 प्रतिशत की दर से ब्याज मिलेगा, जिसका भुगतान तिमाही आधार पर होगा। जबकि पांच साल की आवर्ती जमा पर ब्याज दर 5.8 प्रतिशत रहेगी।

कोरोना वायरस के ओमिक्रॉन वैरिएंट के बढ़ते केस और महंगाई के बीच सरकार ने छोटी बचत योजनाओं पर ब्याज दरों को 2021-22 की चौथी तिमाही के लिए पहले जैसा ही रखा। यह फैसला पांच राज्यों- उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हिमाचल प्रदेश और गोवा में आगामी विधानसभा चुनावों से पहले आया है।

भारत में कोरोना की तीसरी लहर की आहट, देश में ओमिक्रॉन से दूसरी मौत

-केंद्र सरकार ने आठ राज्यों को लिखा पत्र

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत में एक बार फिर कोरोना संक्रमण तेज हो गया है और इसका खतरा बढ़ता जा रहा है। लगातार मामलों में बढ़ोतरी को देखते हुए पाबंदियों का दौर भी शुरू हो गया है। कोरोना की तीसरी लहर की चेतावनी पहले से ही जारी है। वहीं, दुनिया में ओमिक्रॉन और डेल्टा की वजह से कोरोना की सुनामी आने की चेतावनी विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने दे डाली है।

पुडुचेरी में 31 जनवरी 2022 तक यानी पूरे महीने के लिए रात 11 बजे से सुबह 5 बजे तक नाइट कर्फ्यू लगा दिया है। वैकुंठ एकादशी के अवसर पर नाइट कर्फ्यू लागू नहीं होगा। उदयपुर में 75 वर्षीय ओमिक्रॉन संक्रमित की मौत हो गई है। खबरों के अनुसार मौत से पहले बुजुर्ग का ओमिक्रॉन टेस्ट नेगेटिव आ चुका था। तेलंगाना के रंगारेड्डी जिले में एक निजी कॉलेज में कोरोना ब्लास्ट हुआ है। यहां करीब 38 छात्र संक्रमित पाए गए हैं।

शुक्रवार सुबह स्वास्थ्य मंत्रालय की तरफ से जारी आंकड़ों के अनुसार भारत में पिछले 24 घंटों में कोरोना के 16 हजार 764 नए मामले सामने आए हैं। जबकि 7 हजार 585 ठीक हुए और वहीं, 220 लोगों की मौत हुई। फिलहाल देश में कोरोना के सक्रिय मामलों की संख्या 91 हजार 361 हो गया है। वहीं, रिकवरी रेट 98.36 फीसदी है। इधर देश में ओमिक्रॉन मामलों की संख्या 1 हजार 270 हो गई है।

कोरोना के नए वैरिएंट ओमिक्रॉन की वजह से देश में पहली मौत का मामला सामने आया है। महाराष्ट्र स्वास्थ्य विभाग ने इस बाबत जानकारी दी है कि नाइजीरिया से लौटे 52 वर्षीय शख्स की 28 दिसंबर को पुणे के पिंपरी-चिंचवड़ के अस्पताल में दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। मृतक को 13 साल से मधुमेह था। इनकी मौत का कारण गैर-कोविड बताया गया। गुरुवार को ही एनआईवी की रिपोर्ट से पता चला की शख्स ओमिक्रोन संक्रमित था।

झारखंड में कोरोना का ग्राफ काफी बढ़ा है। बीते बुधवार एक दिन में 344 मामले सामने आए तो वहीं, गुरुवार को 482 नए मरीज मिले हैं। सबसे अधिक संक्रमित 246 राजधानी रांची से मिले हैं। देश में आठ राज्यों के 14 शहरों में कोविड के मामलों में अचानक वृद्धि को देखते हुए केंद्र सरकार सतर्क हो गयी है। सरकार ने आठ राज्यों झारखंड, पश्चिम बंगाल, दिल्ली, हरियाणा, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, गुजरात और कर्नाटक झारखंड को पत्र लिख कर कोरोना से बचाव के लिए बताये गये निर्देशों का पालन करने को कहा है। केंद्र ने जिन शहरों को लेकर चिंता जताया है उनमें रांची, कोलकाता, गुरुग्राम, नयी दिल्ली, अहमदाबाद, राजकोट, सूरत, चेन्नई, बेंगलुरु, ठाणे, पुणे, मुंबई और नागपुर शामिल हैं।

क्या कहते हैं आंकड़े

स्वास्थ्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव लव अग्रवाल ने बताया कि फिलहाल दुनिया में 2.68 करोड़ कोरोना के सक्रिय मामले हैं। वहीं, बीते 29 दिसंबर 2021 को दुनियाभर में कोरोना के 17 लाख मामले दर्ज किए हैं। अमेरिका में इसके 28.8 फीसदी (सबसे अधिक) ब्रिटेन में 12.5 फीसदी मामले हैं। सक्रिय मामलों की संख्या के मामले में तीसरे नंबर पर फ्रांस चौथे पर स्पेन है। बात भारत की करें तो अभी यहां देश में कोरोना के 82 हजार सक्रिय मामले हैं।

हमने चुनाव में छोटे दलों से गठबंधन किया है, बीजेपी ने केंद्रीय एजेंसियों के साथ गठबंधन किया - अखिलेश

लखनऊ (ईएमएस)। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि हमने चुनाव में छोटे दलों से गठबंधन किया है, बीजेपी ने केंद्रीय एजेंसियों के साथ गठबंधन किया है।

यादव अपनी पार्टी के एमएलसी पुष्पराज जैन उर्फ पम्पी जैन के ठिकानों पर आयकर विभाग की छापेमारी को लेकर प्रतिक्रिया दे रहे थे। अखिलेश ने आज कन्नौज में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, ठबंगाल में चुनाव हुए तो वहां रेड हो गई, कर्नाटक में चुनाव हुए तो वहां रेड हो गई, तमिलनाडु में चुनाव हुए तो वहां रेड हो गई ,महाराष्ट्र में हो गई। अब वहां चुनाव खत्म हो गए हैं तो अब क्यों नहीं रेड करते?ठ

अभी 24 दिसंबर को अखिलेश के तीन और क़रीबी लोगों पर इनकम टैक्स की रेड हो चुकी है।समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव राय के मऊ आवास पर रेड हुई। साथ में लखनऊ में अखिलेश यादव के पी एस नीटू और अखिलेश के परिवारिक मित्र राहुल भसीन के घरों पर एक साथ रेड हुई। पम्पी जैन अखिलेश यादव से जुड़े चौथे शख्स हैं जिनके यहां एक हफ्ते के भीतर रेड हुई है।

इस बीच, समाजवादी एमएलसी के यहां पड़े छापों को लेकर सियासत भी शुरू हो गई है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आज अपनी अयोध्या रैली में इन छापों पर तंज किया और बाद में उसे ट्वीट भी किया। शाह ने कहा, ठसमाजवादी इत्र की दुर्गंध पूरे देश में फैल गयी है।'' एक हफ्ते पहले कन्नौज के इत्र कारोबारी पीयूष जैन पर जब जीएसटी इंटेलिजेंस ने रेड की तब भी तमाम लोग, जिनमें बीजेपी के लोग भी शामिल थे, उसे समाजवादी पार्टी का एमएलसी बात रहे थे। अखिलेश यादव ने इसे लेकर भी नाराज़गी ज़ाहिर की की। उन्होंने कहा था, 'भारतीय जनता पार्टी से ज़्यादा झूठ कोई नहीं बोल सकता।यह झूठ के फूल हैं। हिटलर के ज़माने में तो केवल एक विभाग था। एक मंत्री था। प्रोपेगंडा मिनिस्ट्री थी लेकिन यह तो पूरी सरकार झूठ बोलती है।'

चेन्नई में भारी बारिश से तबाही, 3 लोगों की मौत, तमिलनाडु के कई जिलों में रेड अलर्ट

चेन्नई । चेन्नई शहर में कई स्थानों पर भारी बारिश के बाद करंट लगने से तीन लोगों की मौत हो गई है। बारिश के चलते सड़कों और निचले इलाकों में पानी भर गया है। शहर के कई इलाकों में भारी बारिश के कारण शाम 6 बजे से रात 8:30 बजे तक विशेष रूप से माउंट रोड, पूनमल्ली रोड पर भारी ट्रैफिक जाम देखा गया। वहीं, चेन्नई शहर में कई स्थानों पर भारी बारिश के बाद करंट लगने से तीन लोगों की मौत भी हो गई है। जबकि अन्ना नागाटो इलाके में वीआर मॉल के छत का एक हिस्सा भी टूटकर गिर गया है। भारी बारिश के बीच चेम्ब्राम्बक्कम डैम से 1000 क्यूसेट पानी भी छोड़ा गया है जिसके बाद चेन्नई में रेड अलर्ट जारी किया गया है।

इसके अलावा भारी बारिश के कारण राजधानी चेन्नई के कई इलाकों में पानी भर गया. राज्य सरकार के अनुसार चेन्नई और कांचीपुरम, तिरुवल्लूर और चिंगलपेट के आसपास के जिलों में रेड अलर्ट जारी किया गया है। वहीं भारी बारिश के चलते चेन्नई मेट्रो ने यात्रियों को अपने घरों तक सुरक्षित पहुंचने में सक्षम बनाने के लिए सेवा समय को एक घंटे बढ़ाकर 12 बजे करने की घोषणा की।

ग्रेटर चेन्नई निगम के आयुक्त गगनदीप सिंह बेदी ने बताया कि चेन्नई में पेड़ गिरने के 27 मामले सामने आए हैं। शहर में भारी बारिश के कारण हुए जलजमाव को दूर करने के लिए 145 से अधिक पंप चल रहे हैं। इससे पहले दोपहर से शुरू होकर शहर और उपनगरों के अधिकांश क्षेत्रों में बारिश होने लगी और कई स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश हुई। मौसम विभाग के मुताबिक एमआरसी नगर में सबसे ज्यादा 17.65 सेंटीमीटर बारिश दर्ज की गई। नुंगमबक्कम और मीनांबक्कम में क्रमशः 14.65 सेंटीमीटर और 10 सेंटीमीटर दर्ज की गई।

आईएमडी (IMD) ने चेन्नई, तिरुवल्लूर, कांचीपुरम और चेंगलपट्टू जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश की भविष्यवाणी की थी। बारिश दो घंटे तक चलने की उम्मीद थी। इससे पहले आज आईएमडी ने 31 दिसंबर और 1 जनवरी को तटीय तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल के अलग-अलग इलाकों में भारी बारिश की भविष्यवाणी की थी। बारिश के चलते सड़कों और निचले इलाकों में पानी भर गया है। शहर के कई इलाकों में भारी बारिश के कारण भारी ट्रैफिक जाम देखा गया। वहीं चेन्नई शहर में कई स्थानों पर भारी बारिश के बाद करंट लगने से तीन लोगों की मौत भी हो गई है।

किसानों को नए साल का तोहफा देंगे मोदी, नववर्ष के पहले ही दिन आयोजित कार्यक्रम में पीएम जारी करेंगे राशि

नई दिल्ली । नव वर्ष का पहला दिन किसानों के लिए नई खुशी लेकर आएगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश के किसानों को नए साल में तोहफा देंगे। पीएम-किसान सम्मान निधि के तहत किसानों को चालू वित्त वर्ष की तीसरी किस्त का पैसा मिल जाएगा। इसके लिए आयोजित एक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी तीसरी किस्त की राशि सीधे किसानों के बैंक खाते में जमा कराएंगे। इसका लाभ देश के लगभग 12 करोड़ किसानों को प्राप्त होगा। आयोजन की सूचना सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश की सरकारों को भेज दी गई है।

कृषि सुधार के तीनों कानूनों की वापसी के बाद प्रधानमंत्री मोदी का यह पहला बड़ा आयोजन होगा, जिसमें वह देश के किसानों को सीधे संबोधित कर सकते हैं। केंद्रीय योजनाओं में गांव, गरीब और किसानों को उच्च प्राथमिकता देने वाली मोदी सरकार पीएम-किसान के तहत किसानों को अब तक नौ किस्तें दे चुकी है। एक जनवरी, 2022 को जारी की जाने वाली दो हजार रुपये की यह 10वीं किस्त होगी। पीएम-किसान के तहत दो-दो हजार रुपये की तीन किस्तें प्रत्येक कृषि सीजन के पूर्व किसानों को दी जाती हैं। खरीफ और जायद की किस्तें पहले ही किसानों के खाते में पहुंच चुकी हैं। एक जनवरी को जारी होने वाली किस्त रबी सीजन की तैयारी के लिहाज से अत्यंत खास होगी।

इस किस्त का किसानों को बेसब्री से इंतजार है। मौजूदा वित्त वर्ष में पीएम-किसान की पहली किस्त अप्रैल 2021 में कुल 11.16 करोड़ से अधिक किसानों के बैंक खाते में जमा कराई गई। दूसरी किस्त अगस्त 2021 में जमा हुई, जिसका लाभ 11.11 करोड़ किसानों को हुआ। यह तीसरी और अंतिम किस्त होगी। पीएम-किसान स्कीम में अब तक कुल 12.31 करोड़ किसानों ने अपना रजिस्ट्रेशन करा लिया है।

योजना का लाभ प्राप्त करने वाले किसानों के रिकार्ड की जांच लगातार की जा रही है। अपने रजिस्ट्रेशन और अन्य जानकारी छिपाने वाले किसानों के खाते में संभव है कि पैसा जमा न हो। इसलिए अपने आधार नंबर से लिंक करना जरूरी है। नाम व रजिस्ट्रेशन में किसी तरह की गलती की वजह से भी किस्त रोकी जा सकती है। आन लाइन रजिस्ट्रेशन के दौरान किसी भी तरह अगर बैंक संबंधी जानकारी में गड़बड़ी हुई तो किस्त रोकी जा सकती है।

देश में कोरोना कहर तेज, बीते 24 घंटे में करीब 17 हजार केस, ओमिक्रॉन 1200 के पार

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश में कोरोना के नए वेरिएंट ओमिक्रॉन का संक्रमण तेज हो गया है। ओमिक्रॉन के मामलों में तेजी से कोरोना के नए केस भी तेजी से बढ़ने लगे हैं। देश में ओमिक्रॉन के केस 1200 पार हो गए हैं। महाराष्ट्र में ओमिक्रॉन के 450 केस हो गए हैं। जबकि दिल्ली में ओमिक्रॉन के 320 संक्रमित हो गए हैं। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने माना है कि अब राजधानी में ओमिक्रॉन का कम्युनिटी स्प्रेड शुरू हो गया है।

भारत में पिछले 24 घंटों में कोरोना वायरस के 16,764 नए मामले आए, 7,585 रिकवरी हुईं और 220 लोगों की कोरोना से मौत हुई। इससे पहले 30 दिसंबर को 13,154 और 29 दिसंबर को 9,195 केस आए थे। यह दिखाता है कि कोरोना फिर बढ़ रहा है। कोरोना के कुल मामले 3,48,38,804 जबकि सक्रिय मामले 91,361, कुल रिकवरी 3,42,66,363 हुई। कुल मौतें: 4,81,080। कुल वैक्सीनेशन: 1,44,54,16,714।

भारत से ब्रह्मोस मिसाइल खरीदेगा फिलीपीन्स, दक्षिण चीन सागर में कम होगी चीन की दादागीरी

नई दिल्ली (ईएमएस)। फिलीपींस भारत और रूस द्वारा संयुक्त रूप से विकसित ब्रह्मोस क्रूज मिसाइल प्रणाली का पहला विदेशी ग्राहक बन गया है। मनीला सरकार ने ब्रह्मोस मिसाइल के लिए शुरू में 410 करोड़ रुपए का पेमेंट किया है। कोरोना महामारी के कारण इस डील में देरी हो रही थी। फिलीपींस नौसेना ने अधिग्रहण प्रक्रिया के तहत इस माह की शुरुआत में हैदराबाद में ब्रह्मोस एयरोस्पेस की उत्पादन इकाई का दौरा किया था।

उल्लेखनीय है कि हैदराबाद का ब्रह्मोस इंटीग्रेशन कॉम्प्लेक्स मैकेनिकल सिस्टम एकीकरण और इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम को असेंबल करने के लिए जिम्मेदार है। दिसंबर 2019 में ऐसी रिपोर्ट्स थी कि फिलीपींस ब्रह्मोस मिसाइल सिस्टम खरीदने वाला पहला देश बनने को तैयार है। दोनों पक्ष 2021 की शुरुआत में राष्ट्रपति रोड्रिगो दुतेर्ते की प्रस्तावित यात्रा के दौरान एक समझौते पर हस्ताक्षर करने को तैयार थे, लेकिन महामारी के कारण इसमें दिक्कतें आईं।

भारत ने रक्षा खरीद के लिए फिलीपींस को 100 मिलियन डॉलर की लाइन ऑफ क्रेडिट की पेशकश की थी। भारत हाल के सालों में थाईलैंड, इंडोनेशिया और वियतनाम सहित कई दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के साथ बातचीत कर रहा है, ताकि उन्हें ब्रह्मोस के जमीन और समुद्र आधारित संस्करण बेचे जा सकें। नई दिल्ली ने 2025 तक 5 अरब डॉलर का रक्षा निर्यात हासिल करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है।

दक्षिण चीन सागर में चीन की बढ़ती दादागिरी से फिलीपींस सहित दक्षिणी पूर्वी एशियाई देश परेशान रहे हैं। हाल ही में दक्षिणी पूर्वी एशियाई देशों ने चीन को जवाब देने की ठानी है। 5 देश- फिलीपींस, वियतनाम, मलेशिया, ब्रूनेई और इंडोनेशिया ने मिलकर एक गठबंधन बनाने की बात कही है। यह गठबंधन साउथ चाइना सी में आक्रमक चीन को जवाब देने के लिए है। ऐसे में फिलीपींस जैसे देश ब्रह्मोस जैसे मिसाइल से और ज्यादा मजबूत होंगे।

पीएम मोदी 2 जनवरी को मेरठ का दौरा करेंगे

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 2 जनवरी, 2022 को मेरठ का दौरा करेंगे और वहां लगभग 1 बजे अपराह्न मेजर ध्यान चंद खेल विश्वविद्यालय की आधारशिला रखेंगे। यह विश्वविद्यालय मेरठ के सरधना कस्बे के सलावा और कैली गांव में स्थापित किया जा रहा है। इसकी अनुमानित लागत 700 करोड़ रुपये है। प्रधानमंत्री जिन प्रमुख क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दे रहे हैं, उनमें खेल संस्कृति को बढ़ावा देना और देश के हर हिस्से में विश्वस्तरीय खेल अवसंरचना स्थापित करना शामिल है। मेरठ में मेजर ध्यान चंद खेल विश्वविद्यालय की स्थापना इस परिकल्पना को पूरा करने की दिशा में उठाया गया एक बड़ा कदम होगा। खेल विश्वविद्यालय आधुनिक और उत्कृष्ट खेल अवसंरचना से लैस होगा, जैसे सिंथेटिक हॉकी मैदान, फुटबाल मैदान, बास्केटबॉल/वॉलीबॉल/हैंडबॉल/कबड्डी ग्राउंड, लॉन टेनिस कोर्ट, जिम्नेजियम हॉल, सिंथेटिक रनिंग स्टेडियम, तरणताल, बहुउद्देश्यीय हॉल और साइकिल वेलोड्रोम। विश्वविद्यालय में निशानेबाजी, स्क्वॉश, जिमनास्टिक, भारोत्तलन, तीरंदाजी, कैनोइंग और कयाकिंग जैसी अन्य सुविधायें भी रहेंगी। विश्वविद्यालय में 540 महिला और 540 पुरुष खिलाड़ियों को मिलाकर कुल 1080 खिलाड़ियों को प्रशिक्षण देने की क्षमता होगी।

बाइडेन के फोन पर नहीं दबे पुतिन, दी खुलेआम धमकी

-रूस पर नए प्रतिबंध लगाए गए तो गंभीर नतीजे होंगे

वॉशिंगटन(ईएमएस)। यूक्रेन को लेकर अमेरिका और रूस में बढ़ते तनाव के बीच दोनों देशों के प्रमुखों ने फोन पर बात की। करीब एक घंटे चली बातचीत में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने अपने समकक्ष व्लादिमीर पुतिन से कहा कि वह वार्ता जारी रखने के पक्ष में हैं। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट कर दिया कि यूक्रेन के खिलाफ कोई भी गलत कदम रूस की मुश्किलें बढ़ा सकता है। दोनों नेताओं के बीच इस महीने ये दूसरी टेलीफोनिक बातचीत थी।

यूक्रेन की सीमा पर रूसी सैनिकों के जमावड़े से अमेरिका नाराज है और इस वजह से दोनों देशों के बीच तनाव काफी बढ़ गया है। क्रेमलिन के सहयोगी यूरी उशाकोव ने बताया कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अपने अमेरिकी समकक्ष को चेतावनी दी है कि यूक्रेन के बहाने रूस पर नए प्रतिबंध लगाए गए तो दोनों देशों के रिश्ते बुरी तरह प्रभावित हो सकते हैं। उशाकोव ने यह भी बताया कि जो बाइडेन ने भी पुतिन को धमकी देते हुए कहा है कि यदि रूस यूक्रेन विवाद को और हवा देता है तो उसे नए वित्तीय, सैन्य और आर्थिक प्रतिबंधों का सामना करना होगा। यूरी उशाकोव ने आगे कहा, 'हमारे राष्ट्रपति ने अमेरिका को स्पष्ट कर दिया है कि रूस पर प्रतिबंध लगाना बड़ी भूल होगी और इसके गंभीर परिणाम हो सकते हैं। हालांकि, उन्होंने उम्मीद जताई है कि अमेरिका ऐसा कुछ नहीं करेगा'। उधर, व्हाइट हाउस ने राष्ट्रपति बाइडेन और पुतिन के बीच हुई बातचीत की जानकारी देते हुए बताया कि यूएस प्रेसिडेंट ने रूसी राष्ट्रपति से कहा है कि अगर यूक्रेन पर हमला हुआ, तो अमेरिका और उसके सहयोगी इसका जोरदार जवाब देंगे। व्हाइट हाउस के प्रवक्ता जेन साकी ने एक बयान में कहा, 'राष्ट्रपति बिडेन ने रूस से यूक्रेन के साथ तनाव कम करने का आग्रह किया। साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया कि अगर रूस यूक्रेन पर और हमला करता है तो अमेरिका और उसके सहयोगी और सहयोगी निर्णायक जवाब देंगे'।

जन हितैषी

चुनावी बिसात बिछी

अब जबकि चुनाव आयोग ने स्पष्ट कर दिया है कि यूपी समेत पांचों राज्यों के विधानसभा चुनाव समय पर होंगे, तो माना जाना चाहिए कि अगले कुछ दिनों में सभी राज्यों में राजनीति का पारा सातवें आसमान पर होगा। इन पांचों राज्यों में सभी की नजर उत्तर प्रदेश पर है। चुनाव आयोग के रुख के बाद उत्तर प्रदेश, पंजाब, मणिपुर, गोवा और उत्तराखंड में होने वाले विधानसभा चुनाव की उल्टी गिनती शुरू हो गई है। अगले कुछ दिनों में तारीखों का ऐलान भी हो जाएगा। चुनावी अखाड़े में एक-दूसरे को पटखनी देने के लिए राजनीतिक दलों ने अभी से खम ठोंकना भी शुरू कर दिया है। सबसे ज्यादा सक्रिय भाजपा दिख रही है। उसके पीछे-पीछे अन्य दल और मुखिया भी अपने-अपने हिसाब से कदमताल करते नजर आने लगे हैं। आरोप-प्रत्यारोप का दौर भी शुरू हो चुका है। कहां किस राज्य में किस पार्टी से हाथ मिलाकर सत्ता के करीब आना है, किन पुराने दुश्मनों को दोस्त बनना है और किसे आखिरी वक्त पर झटका देना है, इन सारे मुद्दों पर पर्दे के पीछे खेल भी शुरू हो गया है। दरअसल, अगले साल होने वाले पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव को केंद्र सरकार के लिए सेमीफाइनल के तौर पर भी देखा जा रहा है, क्योंकि दो साल बाद 2024 में ही तो लोकसभा चुनाव भी होने हैं। विधानसभा चुनाव के मद्देनजर उत्तर प्रदेश, पंजाब, मणिपुर, गोवा, उत्तराखंड में सियासी हलचल तेज हो गई है। केंद्र सरकार से जुड़े भाजपा शासित राज्यों में उत्तर प्रदेश सबसे बड़ा राज्य है। दिल्ली की सत्ता की राह उत्तर प्रदेश ही तय करता है। ऐसे में यहां की हार-जीत का सबसे अधिक असर वर्ष 2024 में होने जा रहे लोकसभा चुनाव पर सबसे ज्यादा पड़ेगा। यही वजह है कि यहां भाजपा समेत जिस किसी भी दल को देखें, वह किसी न किसी रूप में सरकार बनाने और सत्ता पाने की जुगत में लगा है। चाहे उत्तर प्रदेश हो या पंजाब, गोवा, उत्तराखंड या छोटा राज्य मणिपुरज् हर जगह सत्तारूढ़ दल से सत्ता की चाबी छीनने के लिए अन्य पार्टियां लगी हैं। उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर सियासी सरगर्मियां उफान पर हैं। सत्तारूढ़ भाजपा सूबे में फिर से वापसी के लिए आत्मविश्वास से लबरेज है, वहीं सपा से लेकर कांग्रेस और बसपा तक अपनी जीत के दावे कर रही हैं। अब उत्तराखंड की यदि बात करें तो यहां सत्तारूढ़ भाजपा एक बार फिर सत्ता में आने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगा रही है। पार्टी ने इस बार 70 सदस्यों वाली विधानसभा में 60 से अधिक सीटें जीतने का लक्ष्य बनाया है। गोवा विधानसभा चुनाव के लिए सभी दलों ने अपनी तैयारी शुरू कर दी है। 40 विधानसभा वाले गोवा विधानसभा के लिए सत्तारूढ़ भाजपा, कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस तथा आम आदमी पार्टी अपनी सत्ता के लिए जोर-आजमाइश कर रहे हैं। देश का सबसे समृद्ध राज्य पंजाब, जहां अभी कांग्रेस सत्तारूढ़ है, वहां भाजपा और आम आदमी पार्टी कांग्रेस से सत्ता छीनने के लिए अपने जोड़-तोड़ में जुटी है। पंजाब में कैप्टन के प्रति मतदाताओं का जो लगाव है, वह भी धीरे-धीरे सामने आने लगा है। ऐसा इसलिए, क्योंकि उन्होंने भाजपा की नजदीकियों को स्वीकार कर लिया है। इसका लाभ तो भाजपा को मिलेगा ही, लेकिन पंजाब में अब तक भाजपा कहीं भी अकाली दल और कांग्रेस के आसपास नहीं टिक रही थी। ऐसी स्थिति में हो सकता है कि भाजपा को कुछ लाभ उनके जाने से मिल जाए। अब रही आम आदमी पार्टी की बात, तो जो स्थिति आपसी फूट के कारण पंजाब में बनती जा रही है, उसमें इतना तो मानना ही पड़ेगा की आम आदमी पार्टी को इस बंदरबाट का कुछ न कुछ लाभ तो जरूर मिलेगा। 60 सीटों वाली मणिपुर विधानसभा में भाजपा गठबंधन के पास कुल 32 विधायकों का समर्थन था। लेकिन, अब नौ विधायकों ने अपना समर्थन वापस ले लिया है, जिनमें तृणमूल कांग्रेस का एक विधायक और एक निर्दलीय विधायक शामिल है।

''2021 के विचारणीय पक्ष''

वर्ष 2021 में विश्वव्यापी कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर ने तांडव का रौद्र रूप दिखाया। इस समय शायद प्रत्येक व्यक्ति को ईश्वर का अस्तित्व समझ आ गया। ऑक्सीज़न सिलेन्डर, बेड, इंजेक्शन और दवाई के लिए मारामारी का त्राहिमाम दृश्य सामने आया। मृत्यु जीवन का अटल सत्य है, कई लोग अनवरत संघर्ष के बाद चैन की सांस लेने में सक्षम नजर आए तो कई लोगों ने मृत्यु का साक्षात्कार किया। कोरोना त्रासदी के अनवरत संघर्ष के बीच लागू हुए देशव्यापी लॉकडाउन से एक बात समझ आई की यदि आपने समय के अनुरूप सही बचत की है तो यह समय आप अपने परिवार के साथ सीमित संसाधनों में भी आनंद पूर्वक व्यतीत कर सकते हो, पर यह भी कड़वा सच था की जिन्होने धन का महत्व नहीं समझा उन्हें दर-दर ठोकरों का भी सामना करना पड़ा।

कोरोना की कुपित आँधी ने तो सामान्य जीवन का अर्थ ही बदल दिया। जीवन नैया की पतवार रामभरोसे नजर आई। दुर्दशा की दुखद से दुखद तस्वीर सामने आई। विलाप की चरम सीमा भी जनमानस में नजर आई। सत्य के अनेक रूप सामने आए। बदलते परिदृश्य में कई लोगों का दिखावे का मुखौटा हट गया। अपने और परायों के बीच की खाई भी छट गई। मानव ही मानव के लिए दवा भी सिद्ध हुआ। कई बार अपेक्षा से अधिक सहयोग और कई बार उपेक्षित व्यवहार भी मिला। किसी ने मात्र संवाद से भी सुकून दिया तो किसी से विनती करने पर भी निराशा का ही सामना करना पड़ा। अर्थ भी अनर्थ को रोकने में सक्षम नजर नहीं आया। उम्मीदों की पगडंडी के सहारे फिर से जीवन यात्रा प्रारम्भ हुई। कुछ लोगों ने केवल दाम कमाने पर ही महत्व दिया और कुछ लोगों ने मानवता की राह में दुआएं कमाई। गीता में लिखा है की परिवर्तन ही संसार का नियम है, जिन लोगों ने परिस्थितियों के साथ ताल-मेल बिठाना सीख रखा था उन्हें सामंजस्य की कड़ी में ज्यादा मेहनत नहीं करनी पड़ी और जो जीवन अपनी शर्तों के अनुसार जीता था यह समय उसके लिए कष्टदायी साबित हुआ।

नया साल फिर से कई उमंगों का दामन थामें खड़ा है। बीते वर्ष के अनुभव की पाठशाला से सबक लेकर फिर से नए पंखों को उड़ान देनी होगी। नवीन वर्ष में सफलता के नए आयाम को छूने के लिए उपहास, विरोध, आलोचना, स्वीकृति और अस्वीकृति के मार्ग से धैर्यपूर्वक गुजरना होगा। समय का कद बहुत बड़ा होता है यह सत्य 2021 की तस्वीर में सच्चाई से दिखा। यह वर्ष यह सीखा गया की हर क्षण हर सांस बहुत कीमती है तो क्यों न हम मुस्कुराते चेहरे के साथ कृत संकल्पित होकर 2022 के लिए कुछ उद्देश्यपूर्ण कार्य करें एवं स्वयं और समाज की खुशी के लिए उन्नति के नए आयाम गढ़े।

जीवन है ईश्वर का दिया अमूल्य उपहार।
व्यर्थ आलोचना, उपहास और चिंताओं से न करें इसे बेकार।
इस साल ने दिए जीवन के अनेक विचारणीय पक्ष।
2022 में प्रस्तुत करेंगे उद्देश्यों के नवीन आयाम जीवन के समक्ष?
2021 के तांडव से हुए हम सत्य से अवगत।
डॉ. रीना कहती, कृतसंकल्पित होकर करें 2022 का स्वागत।
(लेखिका-डॉ. रीना रवि मालपानी / ईएमएस)

दैनिक पंचांग

01 जनवरी 2022 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

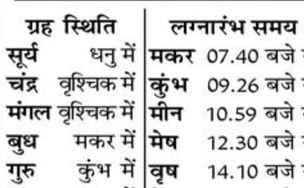

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	धनु में	मकर	07.40 बजे से
चंद्र	वृश्चिक में	कुंभ	09.26 बजे से
मंगल	वृश्चिक में	मीन	10.59 बजे से
बुध	मकर में	मेष	12.30 बजे से
गुरु	कुंभ में	वृष	14.10 बजे से
शुक्र	धनु में	मिथुन	16.08 बजे से
शनि	मकर में	कर्क	18.21 बजे से
राहु	वृष में	सिंह	20.37 बजे से
केतु	वृश्चिक में	कन्या	22.49 बजे से
		तुला	01.00 बजे से
राहुकाल	9.00 से 10.30 बजे तक	वृश्चिक	03.15 ब.से
		धनु	05.31 बजे से

शनिवार 2022 वर्ष का पहला दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** हेमन्त। **विक्रम संवत्** 2078 **शक संवत्** 1943 **मास** पौष (दक्षिण भारत में मृगशीर्ष) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** त्रयोदशी 07.18 बजे तदनन्तर चतुर्दशी 03.42 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** ज्येष्ठा 19.17 बजे को समाप्त। **योग** गण्ड 13.55 बजे को समाप्त। **करण** वणिज 07.18 बजे, विष्टि 17.31 बजे तदनन्तर शकुनि 03.42 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 24.7 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 23° 01' **सूर्य** दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1871115
जूलियन दिन 2459580.5
कलियुग संवत् 5123
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2548
हिजरी सन् 1443 **महीना** जमादि उलावल **तारीख** 27
विशेष मासिक शिवरात्रि, अंग्रेज़ी नव वर्ष।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
काल	05.55 से 07.23 बजे तक	लाभ	05.37 से 07.10 बजे तक
शुभ	07.23 से 08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10 से 08.42 बजे तक
रोग	08.51 से 10.19 बजे तक	शुभ	08.42 से 10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19 से 11.46 बजे तक	अमृत	10.14 से 11.47 बजे तक
चर	11.46 से 01.14 बजे तक	चर	11.47 से 01.19 बजे तक
लाभ	01.14 से 02.42 बजे तक	रोग	01.19 से 02.51 बजे तक
अमृत	02.42 से 04.10 बजे तक	काल	02.51 से 04.23 बजे तक
काल	04.10 से 05.37 बजे तक	लाभ	04.23 से 05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

नव वर्ष 2022 पर लक्ष्य व संकल्प निर्धारित करें

(1 जनवरी 2022 पर विशेष)

नव वर्ष 2022 का आगाज हो चुका है। नया सवेरा हो चुका है । सूरज की किरणें निकल चुकी है।साल 2021 बीत चुका है।नव वर्ष 2022 में नए संकल्प व लक्ष्य निर्धारित करने होगें।नए साल में संकल्प लेने होगें कि आने वाला जीवन सुखमय रहे। भविष्य सुरक्षित रहे।नया साल सबके लिए सुखमय हो और समृद्धि लेकर आए।समय का सदुपयोग करें।समय के महत्व को समझना होगा और अपनी महत्वकांक्षाओं को पूरा करें।कभी भी समय को बरबाद मत करों । रास्ता भटक चुके लोगों को राह दें किसी को गुमराह न करें।अनजानें में हुई गलतियों को माफ कर दें।क्षमा दान सबसे बड़ा दान होता है।सदव्यवहार करें।किसी की भावनाओं से न खेलें।गुरुजनों का आदर करें उनकी अनदेखी न करें।सपनों को उडान दे और सपनों को साकार करें। जिदंगी में कभी भी उस आदमी को इग्नोर मत करना जिसने आपको उचांईयां दी हैं।आज के मतलबी संसार में बहुत कम लोग सहायता करते है।जानबूझकर की गई गलतियों को सुधारें।नई उर्जा के साथ राहों को सरल बनाएं।जो बीत गया उसे भूल जाएं अब नए काम को अंजाम देना होगा।बीते 2020 और 2021 में कोरोना महामारी ने विश्व में जो जख्म दिए ताउम्र रिसते रहेगें।2021 में नया वायरस ओमिक्रोन ने दस्तक दे दी है।प्रकृति ने अपना रौद्र रुप दिखाकर मानव से दानव बनते जा रहे इंसान को औकात बता दी है कि अभी भी संभलने का समय है।अगर अब भी गलतियां नहीं सुधारी तो अंजाम भुगतने के लिए तैयार रहे।प्रकृति कभी भेदभाव नहीं करती। प्रकृति को बचाना होगा।प्यार,भाईचारा बना रहे यह कामना रें।गलतियां ही सबक सिखाती है।मानव को ठोकरें ही चलना सिखाती है। कभी भी किसी का दिल मत दुखाना।मानवता कहती है के सबकी राह में फूल बिछाओ ताकि किसी के पांव मं कांटा न चुभ

सके।गरीबों के लिए लक्ष्य बनाएं कि कोई गरीब भूखा न रहे।समाज के लिए योगदान देना होगा।बुराईयों को मिटाना होगा।अन्धकार को मिटाना होगा। अच्छाई को अपनाना होगा।गलतियां इंसान से ही होती है।मगर उनको सुधारना होगा।नए जीवन का संचार होगा ।युवाओं को बचाना होगा।निरोगी काया रखनी होगी।अच्छे की उम्मीद करनी होगी।कर्म करना होगा।सफल रणनीती बनानी होगी।संकल्पों को पुरा करना होगा।समस्याओं का समाधान करना होगा।जीवन में बदलाव लाना होगा। नफरत मिटानी होगी।सदभाव व प्रेमभाव अपनाएं ताकि एक स्वस्थ समाज का निर्माण हो सके।मानवता के लिए अपना जीवन सर्मपित करें।मानवता की सेवा सबसे बड़ा पुण्य है।मानवता की सेवा ही भगवान की सच्ची सेवा है।मानव जीवन अनमोल है। अपने लिए तो सभी जीते है मगर पीड़ितों व दीन-दुखियों की सहायता करने के लिए व उनके लिए जीने वाले चंद ही लोग होते है। भगवान व शमशान को हर रोज याद करना चाहिए। किसी को दुखी नहीं करना चाहिए।भगवान की लाठी जब पडती है तो उसकी आवाज नहीं होती । ईश्वर इस धरा के कण -कण में विद्यमान है ।भूखे को यदि रोटी दे दी जाए तो भूखे की आत्मा की तृप्ति देखकर जो आनन्द प्राप्त होगा वह सच्चा सुख है ।मानव को मानव की सहायता करनी चाहिए । जरुरतमंद इन्सान की सहायता करना सबसे बड़ा धर्म हैं। मानव सेवा ही नारायण सेवा है ।यह अटल सत्य है । संकल्प ले यह साल सबके लिए मंगलमय हो और सबको खुशियां मिले कोई गम न मिले। सत्कर्म करने होगें समाज को सुखमय बनाना होगा। नैतिक मूल्यों तथा संस्कारों व माननीय मृल्यों को बचाना होगा।वातावरण व पर्यावरण की रक्षा करनी होगी।स्वच्छता को बरकरार रखना होगा।जिम्मेवारियों को निभाना होगा।बुंराईया के खिलाफ लड़ना होगा।एक मशाल चलानी होगी ।अंधेरा मिटाना होगा।दानवों व दरिदों व गिरगिटों का खात्मा करना होगा।प्रतिभा किसी की मोहताज नहीं होती।सफलता का कोई शार्टकट नहीं होता।हर गहरी व काली रात के बाद दिन का उजाला होता है।असफलताओं से मत घबराएं।सूरज को निकलने से कोई नहीं रोक सकता।इरादे मजबूत हो तो किस्मत को भी झुकना पड़ता है।हार के आगे जीत है।समय का प्रबंधन,निष्ठापूर्ण व योंजनाबद्ध तरीके से तैयारी सफलता का मूलमंत्र है। मजबूत इरादे कड़ी मेहनत व आत्मविश्वास से मंजिल को जरुर हासिल किया जा सकता है। असफलता से घबराएं नहीं बल्कि इससे सीख लेते हुए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करे और भगवान पर भरोसा रखें।मेहनत से ही सफलता मिलती है सफलता का कोई शार्टकट नहीं होता। सफलता के लिए दिन रात पढ़ाई करनी पड़ती है। धैर्य बनाए रखें व इरादों को न बदलें।नैतिक शिक्षा का अनुसरण करें।अपने माता पिता की सेवा करें।बुजुर्गो का आदर करें।अंहकार से दूर रहें। ईमानदारी व सच्ची लगन से परीक्षा की तैयारी करोगे तो सफलता जरुर कदम चूमेगी।मेहनत का फल जरुर मिलता है। आदमी की पहचान कपडों से नहीं होती बल्कि उसके गुणों व अच्छे संस्कारों से होंती है।लिबास तो बदलते रहते है।प्रतिभा को कोई नहीं चुरा सकता।संस्कार ही असली पूंजी होते है।युवाओं का नशे से दूर रहना चाहिए।युवा ही देश के कर्णधार हैं। हमें हर आदमी की सहायता करनी चाहिए। सादगी ही आदमी का श्रृगांर है।मानव को सदा सादा जीवन जीना चाहिए और उच्च विचार रखने चाहिए।स्वाभिमान व चरित्र ही मानव के असली आभूषण हैं। समय के महत्व को समझें और अपनी महत्वकांक्षाओं का पूरा करें।तभी नए साल की सार्थकता होगी। (लेखक-नरेन्द्र भारती / ईएमएस)

राष्ट्रहित में किसी भी उकसावे से बचें भारतीय मुसलमान

मात्र सत्ता में बने रहने के लिये देश में सत्ता के संरक्षण में एक विशेष सांप्रदायिक विचारधारा द्वारा देश में बहुसंख्यकवाद का जो ख़तरनाक खेल खेला जा रहा है वह उस भारत वर्ष के अस्तित्व व धारणा के बिल्कुल विपरीत है जिसकी वजह से देश को 'अनेकता में एकता' रखने वाले विश्व के सबसे बड़े व लोकप्रिय लोकतंत्र के रूप में दुनिया जानती रही है। सांप्रदायिक सौहार्द भारत की रगों में प्रवाहित होने वाला वह स्वभाव है जिसे तमाम कोशिशों के बावजूद समाप्त नहीं किया जा सकता। यह रहीम,रसखान, कबीर और जायसी का देश है,यह उस वीर शिवाजी का देश है जिनके सेनापति व मुख्य सलाहकार व जासूस मुसलमान हुआ करते थे। यह उस महाराणा प्रताप का देश है जिनके सेनापति व अनेक सेनानी मुसलमान होते थे। यह उस अकबर महान का देश है जिसके सेनापति व तमाम सैनिक व अधिकारी हिन्दू होते थे। यह वह भारत है जहाँ अयोध्या सहित अनेक स्थानों पर मुग़ल शासकों द्वारा मंदिरों,गुएद्वारों व जैन मंदिरों के लिये ज़मीनें दी गयीं व वज़ीफ़े निर्धारित किये गये। और यही धार्मिक एकता व सांप्रदायिक सद्भाव का सिलसिला अंग्रेज़ों को भारत से खदेड़ने तक जारी रहा। आज भी भारतीय इतिहास में जिन क्रांतिकारियों के क़िस्से सबसे मशहूर हैं उनमें चंद्रशेखर आज़ाद,भगत सिंह,राजगुरु व राम प्रसाद बिस्मिल जैसे क्रांतिकारियों के साथ अशफ़ाक़उल्लाह ख़ान का नाम भी प्रत्येक देशवासी बड़े ही सम्मान से लेता है,उन्हें याद करता तथा उनके समक्ष नत मस्तक होता है। देश की आज़ादी के बाद भी देश का प्रथम परमवीर चक्र पाने वाले वीर अब्दुल हमीद थे जिन्होंने पाकिस्तान के विरुद्ध अपने अदम्य साहस व वीरता का परिचय देते हुए सीमा पर अपनी क़ुर्बानी दी। देश को कई मुस्लिम वायु सेनाध्यक्ष मिले और यह सिलसिला भी भारत रत्न मिसॉइलमान ए पी जे अब्दुल कलाम तक चला।

1947 में हुए दुर्भाग्यपूर्ण विभाजन के बाद जहाँ कुछ सीमान्त प्रान्त के मुसलमानों ने कहीं विभाजनकारी नीति अपनाने वाली मुस्लिम लीग के बहकावे में आकर तो कहीं विभाजन के समय छिड़ी सांप्रदायिक हिंसा का शिकार होकर या उससे बचने के भय से भारत छोड़ पाकिस्तान या तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान जाने का फ़ैसला किया वहीँ देश के बहुसंख्य मुसलमानों ने गाँधी,कांग्रेस, व मौलाना अबुल कलम आज़ाद जैसी धर्मनिरपेक्ष विचारधारा का साथ दिया और स्वेच्छा से भारत में ही रहने का निर्णय लिया। लगभग सत्तर वर्षों से सोने की चिड़िया कहा जाने वाला हमारा यह भारत इसी धार्मिक व सामाजिक सौहार्द की बदौलत तरक़्क़ी की राह पर आगे बढ़ रहा है। परन्तु हिंदुत्ववादी ताक़तों द्वारा जिस प्रकार इन्हीं सत्तर वर्षों में धीरे धीरे हिन्दू महासभा,राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ तथा इसी विचारधारा का पोषण करने वाले अनेक संगठनों ने बड़े ही नियोजित तरीक़े से अपनी जड़ें गहरी कीं और 2014 में अन्ना हज़ारे के सत्ता विरोधी आंदोलन के काँधे पर सवार होकर केंद्रीय सत्ता पर पहुँचने तक का सफ़र तय किया वह भी पूरा विश्व देख रहा है।

दुनिया अब यह भी देख रही है कि सत्ता पाने के बाद इसी सत्ता पर क़ाबिज़ रहने के लिये इन्हीं शक्तियों द्वारा हिन्दुत्ववाद के नाम पर भारतीय समाज को धर्म के नाम पर निरंतर विभाजित करने के लिये कितना घिनौना व ख़तरनाक खेल खेला जा रहा है। किसान आंदोलन में शामिल लोगों को ख़ालिस्तानी तथा मुसलमानों को पाकिस्तान समर्थक बताया जा रहा है। अल्पसंख्यक समुदाय के विरुद्ध लगातार बेरोक टोक भाषण बाज़ियां की जा रही हैं। हद तो यह कि इसी कट्टरपंथी विचारधारा द्वारा अब देश के उदारवादी हिन्दू समाज को शस्त्र धारण करने और मुसलमानों का नरसंहार करने जैसा उकसावे भरा आह्वान किया जा रहा है। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के विरुद्ध इतनी अपमानजनक टिप्पणी की गयी जिसे लिखने भी मुनासिब नहीं । देश के हिन्दुओं को बर्मा की तर्ज़ पर रोहांगिया नरसंहार का अनुसरण करने का आह्वान किया जा रहा है।

परन्तु वास्तव में यह देश के समग्र हिन्दू समाज की आवाज़ नहीं बल्कि उन निठल्ले,कट्टरपंथी अवसरवादियों व सत्ता भोगियों की आवाज़ है जो इसी धर्म आधारित ध्रुवीकरण का लाभ उठा कर सत्ता से चिपके रहना चाहते हैं। यह गाँधी नहीं बल्कि गोडसे की विचारधारा है। आज इसी विचारधारा के लोग गोडसे का महिमामंडन करते व उसकी मूर्ति स्थापित करते दिखाई दे रहे हैं। तो दूसरी तरफ़ पूर्व नेवी प्रमुख अरुण प्रकाश तथा पूर्व सेना प्रमुख जनरल वीपी मलिक जैसे अनेक प्रमुख लोगों ने देश में सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने के ऐसे प्रयासों की निंदा की है और ऐसे तत्वों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है। देश का एक बड़ा वर्ग इन सांप्रदायिक शक्तियों के विरुद्ध खड़ा हो गया है। यहां तक कि इन तत्वों के विरुद्ध प्राथमिकी भी दर्ज की जा चुकी है।

इन परिस्थितियों में देश के अल्पसंख्यक समाज के सामने इस समय सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वे न तो इन अल्पसंख्यक विरोधी,गाँधी विरोधी व गोडसे समर्थकों के उकसावे में आयें न ही असदुद्दीन ओवैसी जैसे उन नेताओं के बहकावे में आयें जो इन परिस्थितियों का लाभ उठाकर धर्म विशेष में अपना जनाधार बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं। देश के अल्पसंख्यकों को किसी भी विभाजनकारी प्रयासों का विरोध करना चाहिये तथा देश के उन उदारवादी व धर्मनिरपेक्ष हिन्दुओं पर पूरा भरोसा करना चाहिये जिन्होंने सत्तर वर्षों तक इन्हीं सांप्रदायिक ताक़तों को सत्ता के क़रीब आने का अवसर नहीं दिया। भारतीय मुसलमानों को किसी मुस्लिम नेता की नहीं बल्कि गांधीवादी सोच रखने वाले किसी ऐसे दल,नेता व नेतृत्व की ज़रुरत है जो इन साम्प्रदायिक शक्तियों का डट कर मुक़ाबला कर सके। यदि यह शक्तियां समाज को धर्म-जाति के नाम पर विभाजित कर देश को तोड़ना चाह रही हैं तो यह देश के अल्पसंख्यकों का कर्तव्य है कि वे राष्ट्रहित में परीक्षा की इस घड़ी में सांप्रदायिक सद्भाव व भाईचारे की मिसाल पेश करते हुए किसी भी उकसावे व बहकावे से बचने की पूरी कोशिश करें। भारतीय मुसलमानों के समक्ष वर्तमान समय की यही सबसे बड़ी चुनौती है। (लेखक- तनवीर जाफ़री / ईएमएस)

आज का इतिहास 1 जनवरी

1399 तैमूर दिल्ली के लिए मध्य एशिया से रवाना हुआ था.
1664 शिवाजी ने अपना सूरत अभियान शुरू किया था.
1862 भारतीय दंड संहिता प्रभावी हुआ. 1877 दिल्ली दरबार में रानी विक्टोरिया भारत की सम्राज्ञी घोषित हुई.
1903 इंग्लैंड के शासक एडवर्ड सप्तम भारत के सम्राट बने.
1915 गांधीजी को कैसर-ए-हिन्द स्वर्ण पदक प्रदान किया गया.
1948 कश्मीर क्षेत्र पर पाकिस्तानी हमले के खिलाफ भारत ने राष्ट्र संघ से शिकायत की.
1949 कश्मीर में युद्ध विराम की घोषणा हुई.
1972 भारतीय राजवाड़ों की प्रिवीपर्स आदि सुविधाएं समाप्त की गई.
1973 साधारण बीमा का राष्ट्रीयकरण किया गया.
1976 टेलीविजन पर व्यावसायिक विज्ञापनों की शुरूआत हुई.
1978 एयर इंडिया का जम्बो एम्परर अशोक मुंबई के पास समुद्र में 231 व्यक्तियों सहित गिरा था.
1991 अमरीका और रूस ने कुवैत पर इराकी कब्जे की निंदा की.
1992 प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव द्वारा बाडमेर में नई सार्वजनिक वितरण प्रणाली का उद्घाटन.
1997 भारत व बांग्लादेश के बीच गंगा जल बंटवारे की संधि व्यवहार में आई.
2001 कलकता सरकारी तौर पर कोलकाता घोषित किया गया.
2002 पुंछ सेक्टर के मेंधर इलाके में नियंत्रण रेखा के पर भारत की जवाबी कार्रवाई में 11 आतंकी मारे गए.
2005 अनंतनाग में केंद्रीय रिजर्व फोर्स के पुलिस शिविर के पास आतंकवादियों के हमले में डीआईजी सहित 17 घायल.
2007 उत्तरांचल का नाम बदलकर उत्तराखण्ड कर दिया गया.

जिन्हें ईसा से नफ़रत है, 'मसीहाई' वह क्या जानें

मानव इतिहास में ईसा मसीह का नाम प्रत्येक धर्म व जाति के लोगों द्वारा अत्यंत सम्मान से लिया जाता है। ईसाईयों का एक वर्ग ईसा को ईश्वर मानता है और प्रभु यीशु मसीह कहकर संबोधित करता है तो दूसरा वर्ग उन्हें ख़ुदा का बेटा इसलिये कहता है क्योंकि उनका जन्म अविवाहित व पवित्र मां मरियम के पेट से ईश्वरीय चमत्कार से हुआ था। उधर मुसलमानों में भी ईसा को इसलिये पूरा सम्मान दिया जाता है क्योंकि मुस्लिम मान्यताओं के अनुसार धरती पर अवतरित होने वाले एक लाख चौबीस हज़ार पैग़म्बरों में ईसा भी एक थे। उन्होंने मुहम्मद साहब से पहले अवतार लिया था। धार्मिक मान्यताओं व विश्वासों से इतर ईसा मसीह धरती पर मानवता के लिये आदर्श मानव रूप में अवतरित हुये। [illegible] व कुष्ठ लोगों की सेवा को ही वे सबसे बड़ा धर्म व कर्तव्य मानते थे। किसी परोपकारी अथवा उद्धार करने वाले को 'मसीहा' कहकर पुकारना ईसा के सेवा भाव का ही परिणाम है। आज भारत सहित पूरे विश्व में अनेकानेक शिक्षण संस्थान,अस्पताल,कुष्ठ रोगी अस्पताल,लावारिसों के लिये खुले 'होम्स' आदि तमाम लोकहितकारी संस्थायें व संस्थान इन्हीं 'ईसा' के मानने वालों द्वारा संचालित किये जा रहे हैं जिसका लाभ ईसाई तो कम ग़ैर ईसाई ज़्यादा उठा रहे हैं। भारत में अकेली मदर टेरेसा ने ही लाखों ग़ैर ईसाई अपेक्षित,तिरस्कृत व प्रताड़ित लोगों को नया जीवन प्रदान किया। सेवा भाव में उनकी दूसरी मिसाल मौजूद नहीं। उनकी इन्हीं सेवाओं के लिये उन्हें भारत रत्न प्रदान किया गया था।

परन्तु हर समय आँखों पर संप्रदायवाद का चश्मा लगाये रखने वालों को मानवता के प्रति इनकी सेवा,इनका त्याग व बलिदान नज़र नहीं आता। इन्हें सिर्फ़ यह दिखाई देता है कि चूँकि यह ईसाई संस्थायें हैं लिहाज़ा यह सारी सेवायें लोगों का धर्म परिवर्तन कराने के लिये ही की जाती हैं। सांप्रदायिकता की नज़रों से हर चीज़ को देखने वाले इन लोगों को यह भी बताना चाहिये कि मिशनरीज़ द्वारा चलाये जा रहे इन्हीं स्कूल व कॉलेज से शिक्षित होकर निकले करोड़ों छात्रों में से अब तक कितने छात्रों ने धर्म परिवर्तन किया और मिशनरीज़ संचालित अस्पतालों से स्वास्थ्य लाभ पाने वाले कितने मरीज़ों ने धर्म परिवर्तन किया ? इन्हें ईसा से भी दुश्मनी है,माँ मरियम से भी और अब तो गत 25 दिसंबर को हमारे देश में आगरा में तोहफ़े बांटने के प्रतीक सेंटा क्लॉज़ का भी पुतला यह कहकर फूँक दिया गया कि 'धर्म परिवर्तन हेतु लालच देने के लिये सेंटा क्लॉज़ तोहफ़े बांटता है'। क्या पूरे विश्व में और इस परंपरा की शुरुआत से ही सेंटा क्लॉज़ धर्म परिवर्तन हेतु तोहफ़े बांटता है ? विश्व हिन्दू परिषद् के लोगों ने वाराणसी में भी सेंटा क्लॉज़ का पुतला फूंकने की योजना बनाई थी जिन्हें पुलिस ने नज़रबंद कर दिया क्योंकि पुलिस को कार्यक्रम की ख़बर पुतला दहन से पहले ही लग गई थी।

गत 25 दिसंबर को तो हरियाणा का अंबाला जिला भी इन संप्रदायिकतावादियों की चपेट में आ गया। अंबाला ज़िले की गिनती आम तौर पर देश के शांतिप्रिय ज़िलों में की जाती है। साम्प्रदायिक दंगों अथवा धर्म जाति आधारित नफ़रत अथवा संघर्ष का भी इस ज़िले अथवा शहर का कोई इतिहास नहीं है। परन्तु पिछले दिनों क्रिसमस के दिन अंबाला के इस शांतिपूर्ण वातावरण को न केवल अशांत करने का कुत्सित प्रयास किया गया बल्कि अंबाला को कलंकित भी कर दिया गया। अंबाला छावनी स्थित होली रिडीमर कैथोलिक चर्च के बाहर लगी यीशु मसीह की मूर्ति को कुछ असामाजिक तत्वों ने खंडित कर दिया। 1843 में निर्मित यह चर्च अंबाला छावनी के सबसे प्राचीन भवनों में प्रमुख है। बताया जाता है कि 1948 में इटेलियन कैपुचिन की निगरानी में होली रिडीमर कैथोलिक चर्च का निर्माण किया गया था। अंबाला के इतिहास की इस तरह की यह पहली घटना है जिसकी वजह से यहां रहने वाले ईसाई समुदाय के लोगों में अपने व अपने धर्मस्थलों की सुरक्षा के प्रति चिंता को बढ़ा दिया है।

देश के अनेक राज्यों में चर्च में तोड़ फोड़ करने,आगज़नी करने,ईसा मसीह व मरियम की मूर्तियों को खंडित करने के समाचार अक्सर आते रहते हैं। जिन शिक्षिकाओं द्वारा मिशनरीज़ स्कूल्स में शिक्षा दी जाती है,जिन्हें नन्स के नाम से जाना जाता है उनके साथ बलात्कार करने तक की दुःखद व शर्मनाक ख़बर सुनी जा चुकी है। क्या कोई धर्म यही सिखाता है कि जो हमारे बच्चों को शिक्षित कर आत्मनिर्भर बनाये उसका इस आरोप में बलात्कार किया जाये कि वह धर्म परिवर्तन कराती है ? 1999 में ओड़िसा के मनोहरपुर क्षेत्र में इन्हीं क्रूर सांप्रदायिक शक्तियों द्वारा ऑस्ट्रेलियन मिशनरी ग्रहम स्टेंस व उनके दस वर्षीय पुत्र फ़िलिप व छः वर्षीय पुत्र टिमोथी, तीनों को सोते समय उन्हीं के वाहन में ज़िंदा जला दिया गया था। उस समय भी पूरी दुनिया में देश की बहुत बदनामी हुई थी। आज उसी मनोहरपुर के लोग प्रतिदिन ग्रहम स्टेंस व उनके बच्चों की याद में शोक मनाते आ रहे हैं।

भारत,पाकिस्तान,बांग्लादेश,अफ़ग़ानिस्तान जैसे कई देश हैं जहां सक्रिय सांप्रदायिकतावादी शक्तियां जो स्वयं किसी का कल्याण नहीं कर सकतीं,जिन्हें दया करुणा प्रेम,अहिंसा,सहयोग,परोपकार पर नहीं बल्कि नफ़रत,हिंसा,क्रूरता पर यक़ीन है वही लोग किसी भी धर्म के किसी भी आराध्य अथवा महापुरुष के दुश्मन बने बैठे हैं। नफ़रत,वैमनस्य संभवतः इनके संस्कारों में शामिल है। अन्यथा मंदिर-मस्जिद-चर्च व गुरुद्वारों ने बनाने के सिवा किसी का बिगाड़ा ही क्या है ? यह धर्मस्थल व महापुरुष हमेशा से संपूर्ण मानवता के लिये प्रेरणादायी रहे हैं। किसी भी धर्म का सच्चा अनुयायी अपने दिल में किसी भी धर्म के किसी भी धर्मस्थल अथवा महापुरुष के प्रति बैर नहीं रख सकता। भारतवासियों का विशेषकर यह स्वभाव है तभी तो यह देश पूरी दुनिया में अनेकता में एकता का प्रतीक समझा जाता है। परन्तु जिन्हें जिन्हें ईसा से नफ़रत है,मसीहाई वह क्या जानें। (लेखिका-निर्मल रानी / ईएमएस)

खेल - समाचार

भारतीय अंडर-19 टीम ने श्रीलंका को हराकर खिताब जीता

दुबई (ईएमएस)। भारतीय अंडर-19 टीम ने एशिया कप खिताब जीत लिया है। भारतीय टीम ने वर्षा बाधित फाइनल में श्रीलंकाई टीम को नौ विकेट से हराया। इस मैच में भारतीय टीम को जीत के लिए 102 रनों का लक्ष्य मिला था। जिसे भारतीय टीम ने केवल एक विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। आउट होने वाले बल्लेबाज हरनूर सिंह रहे।

इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए श्रीलंकाई टीम ने 38 ओवरों में 9 विकेट के नुकसान पर 106 रन बनाए। बारिश के कारण इस मैच में भारतीय टीम को जीत के लिए 38 ओवरों में 102 रनों का लक्ष्य मिला जो उसने 21.3 ओवर में 104 रन बनाकर हासिल कर लिया। भारतीय टीम ने अंगरीश रघुवंशी और शेख रशीन की पारियों की बदौलत जीत हासिल कर ली।

टीम इंडिया की शुरूआत अच्छी नहीं रही थी। ओपनर हरनूर सिंह केवल महज पांच रन बनाकर पेवेलियन लौट गये। पर इसके बाद रघुवंशी और रशीद ने अच्छी बल्लेबाजी कर भारत को लक्ष्य तक पहुंचा दिया।

इससे पहले श्रीलंकाई टीम ने पहले बल्लेबाजी की पर वह भारतीय गेंदबाजों के सामने टिक नहीं पायी। ओपनर चामिंदु और डेनियल टीम को अच्छी शुरूआत नहीं दे सके। चामिंदु ने 2 तो डेनियल ने 6 रन बनाए। वहीं, विकेटकीपर बंडारा महज 9 रन बना पाए। 31 रन पर 3 विकेट गिरने के बाद श्रीलंकाई बल्लेबाज दबाव में आ गए। राजपक्षे ने 14, पवन ने 4, रानुदा ने 7 तो कप्तान वेललेज ने महज 9 रन बनाए। इसके बाद डीसिल्वा ने 15, रोडरिगो ने नाबाद 19 तो पथिराना ने 14 रन बनाकर श्रीलंकाई टीम को 100 से ज्यादा स्कोर बनाने में मदद की पर तभी बारिश आ गई।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की सर्वश्रेष्ठ टेस्ट एकादश में रोहित , ऋषभ सहित चार भारतीय शामिल रहे

सिडनी (ईएमएस)। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) की साल 2021 की सर्वश्रेष्ठ टेस्ट एकादश में रोहित शर्मा और ऋषभ पंत सहित चार भारतीय खिलाड़ी शामिल रहे हैं। रोहित और ऋषभ के अलावा इस सूची में अक्षर पटेल और आर अश्विन भी शामिल हैं। सीए ने इसमें रोहित और श्रीलंका के दिमुथ करुणारत्ने को सलामी बल्लेबाज के रुप में रखा है। रोहित और करुणारत्ने का प्रदर्शन पिछले कुछ समय में शानदार रहा है और इन्होंने अपनी-अपनी टीम को जीत दिलाई है। करुणारत्ने को इस टीम का कप्तान भी बनाया गया है।

इसमें इंग्लैंड के कप्तान जो रुट को भी शामिल किया गया है हालांकि उनकी कप्तानी में टीम एशेज सीरीज हार गयी है।

सीए के अनुसार एक कप्तान के रूप में जो रूट का समय भले ही खराब चल रहा है पर वह एक बल्लेबाज के रूप में उत्कृष्ट रहे हैं। वहीं पाकिस्तान के फवाद आलम को भी इस टीम में जगह मिली है। इस क्रिकेटर ने टेस्ट क्रिकेट में वापसी के लिए 11 साल का लंबा इंतजार किया पर अपने प्रदर्शन से वापसी को सही साबित किया।

ऋषभ पंत ने पिछले 12 महीनों में टेस्ट क्रिकेट में जबरदस्त प्रदर्शन किया है, बल्लेबाजी के साथ ही विकेटकीपिंग में भी उन्ह जबकि है। स्पिनर आर अश्विन और अक्षर पटेल का प्रदर्शन भी प्रभावशाली रहा है। इसके अलावा टीम में शामिल

काइल जैमीसन, हसन अली और शाहीन शाह अफरीदी बेहतरीन तेज गेंदबाज हैं।

सीए की यह टीम इस प्रकार है :

रोहित शर्मा, दिमुथ करुणारत्ने (कप्तान), मार्नस लाबुशेन, जो रूट, फवाद आलम, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), रवि अश्विन, काइल जैमीसन, अक्षर पटेल, हसन अली, शाहीन शाह अफरीदी।

रोनाल्डो के गोल से जीती मैनचेस्टर यूनाईटेड

मैनचेस्टर (ईएमएस)। स्ट्राइकर क्रिस्टियानो रोनाल्डो के शानदार गोल से प्रीमियर लीग फुटबॉल में मैनचेस्टर यूनाईटेड ने बर्नले क्लब को 3-1 से हरा दिया। रोनाल्डो ने पिछले पांच मैचों में अपना चौथा गोल किया है। जिससे नये मुख्य कोच राल्फ रांगनिक के आने के बाद क्लब की पहली जीत मिली है।

रोनाल्डो ने खेल के 35वें मिनट में आसानी से यह गोल दागा। यूनाईटेड की ओर से इस सत्र में यह रोनाल्डो का 14वां गोल है। वहीं यूनाईटेड की ओर से स्कॉट मैकटोमिनी ने आठवें मिनट में एक गोल कर उसे बढ़त दिलायी। वहीं बर्नले के बेन मी ने 27वें मिनट में एक आत्मघाती गोल किया जिससे मैनचेस्टर की बढ़त बढ़कर 2-0 पहुंच गयी। रोनाल्डो ने एक गोल दागकर स्कोर 3-0 कर दिया। वहीं बर्नले की तरफ से एकमात्र गोल आरोन लेनन ने 38वें मिनट में किया। मैनचेस्टर टीम इस जीत के साथ ही 31 अंक लेकर छठे स्थान पर पहुंच गयी है।

दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेटर डी कॉक ने टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कहा

जोहान्सबर्ग (ईएमएस)। दक्षिण अफ्रीका के विकेटकीपर-बल्लेबाज क्विंटन डी कॉक ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। 29 वर्षीय डी कॉक ने भारतीय टीम के हाथों पहले टेस्ट में अपनी टीम को मिली हार के बाद यह घोषणा की। वहीं क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) ने कहा है कि डी कॉक टी20 लीग के साथ ही एकदिवसीय प्रारूप में खेलना जारी रखेगा।

सीएसए ने अपने एक बयान में कहा कि इस क्रिकेटर ने अपने परिवार के साथ अधिक समय बिताने और अपने सीमित ओवरों के करियर को लंबा करने के लिए यह फैसला किया है।

वहीं अपने संन्यास पर डी कॉक ने कहा कि यह आसान निर्णय नहीं था। मैंने यह सोचने के लिए बहुत समय लिया कि मेरा भविष्य कैसा दिखता है और अब मेरे जीवन में क्या प्राथमिकता होनी चाहिए जब साशा और मैं अपने पहले बच्चे का स्वागत करने वाले हैं और अपने परिवार को आगे बढ़ाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि मेरा परिवार मेरे लिए सब कुछ है और मैं अपने जीवन के इस नए और अध्याय के दौरान अपने परिवार को समय देना चाहता हूं।

डी कॉक ने साल 2014 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ गक्बेरहा में टेस्ट में पदार्पण किया था। उन्होंने अपने करियर के 54 मैचों में 38.82 के औसत और 70.93 के स्ट्राइक रेट से 3300 रन बनाए हैं। उनका सबसे ज्यादा स्कोर नाबाद 141 रहा है। उनके नाम 232 के सर्वाधिक स्कोर के साथ टेस्ट में 6 शतक और 22 अर्धशतक हैं जिसमें 221 कैच और 11 स्टंपिंग शामिल हैं।

विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप में चौथे स्थान पर पहुंचा भारत

सेंचुरियन (ईएमएस)। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ यहां सेंचुरियन टेस्ट में जीत के साथ ही भारतीय क्रिकेट टीम विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप अंकतालिका में चौथे स्थान पर पहुंच गयी है। टीम इंडिया के अब 54 अंक हो गये हैं। टीम इंडिया का जीत प्रतिशत 64.28 हो गया है , उसने चार मैच जीते हैं जबकि एक में उसे हार मिली है ओर दो ड्रॉ रहे हैं। भारतीय टीम चैम्पियनशिप चक्र में दो टेस्ट ड्रा होने के कारण चौथे नंबर पर है, वहीं दूसरी ओर ऑस्ट्रेलियाई टीम अपने तीनों टेस्ट जीतकर पहले नंबर पर आ गयी है। उसके 36 अंक है। कंगारुओं ने अब तक अपने तीनों मुकाबले जीते हैं इसलिए उसकी जीत का प्रतिशत 100 है। वहीं दूसरे स्थान पर रही श्रीलंका का जीत प्रतिशत भी 100 है, उसके दो जीत के साथ ही 24 अंक हैं जबकि पाकिस्तान के तीन जीत ओर एक हार के साथ 75 अंक हैं और उसका जीत प्रतिशत 75 है।

मंधाना आईसीसी की सर्वश्रेष्ठ महिला क्रिकेटरों में शामिल

दुबई (ईएमएस)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की प्रमुख बल्लेबाज स्मृति मंधाना का नाम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की वर्ष की तीन सर्वश्रेष्ठ महिला टी20 क्रिकेटरों में शामिल किया गया है। मंधाना के अलावा सर्वश्रेष्ठ महिला टी20 क्रिकेटर की दौड़ में इंग्लैंड की क्रिकेटर टैमी ब्यूमोंट और नेट साइवर के साथ ही आयरलैंड की महिला क्रिकेटर गैबी लुईस भी शामिल हैं।

मंधाना ने साल 2021 में 9 टी20 मैचों में 31.87 की औसत से 255 रन बनाये जिसमें दो अर्धशतक भी शामिल हैं। भारत के किसी भी खिलाड़ी को साल 2021 के लिए आईसीसी के सर्वश्रेष्ठ एकदिवसीय क्रिकेटर के लिए नामांकित नहीं किया गया है। इसके पुरुष वर्ग में बांग्लादेश के शाकिब अल हसन, पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम, दक्षिण अफ्रीका के जानेमन मलान और आयरलैंड के पॉल स्टर्लिंग भी शामिल हैं।

बिग बैश लीग पर छाया संकट, 19 संक्रमित मिले

मेलबर्न (ईएमएस)। ऑस्ट्रेलियाई घरेलू क्रिकेट टूर्नामेंट बिग बैश लीग (बीबीएल) में कोरोना संक्रमण के कई मामले पाये पाने से हडकंप मच गया है। यहां दो टीमों के 11 खिलाड़ियों सहित 19 लोग संक्रमित पाए गए हैं। ऐसे में अब इस टूर्नामेंट के जारी रहने पर संकट छा गया है। इससे पहले भी एक सहयोगी स्टाफ सदस्य के संक्रमित होने से एक मैच टालना पड़ा था।

वहीं टीम सिडनी थंडर्स ने कहा है कि उसके चार खिलाड़ी जांच में पॉजिटिव पाये गये हैं जबकि मेलबर्न स्टार्स ने कहा कि उनके सात खिलाड़ी और आठ सहयोगी स्टाफ से जुड़े लोग संक्रमित हुए हैं। मेलबर्न टीम को अपना अगला मैच पर्थ स्कोचर्स के खिलाफ रविवार को खेलना है जो अब शायद ही खेला जा सके।

वहीं जिन लोगों को जांच में संक्रमित पाया गया है, उन्हें 7 दिन के लिए अलग-थलग कर दिया गया है।

मेलबर्न टीम ने कहा कि बाकी सभी खिलाड़ियों और स्टाफ का टेस्ट निगेटिव आया है। इसलिए उन्हें सावधानी के तौर पर अलग रखा गया है हालांकि इनकी दोबारा जांच होगी। इतने सारे मामले सामने आने के बाद अब मेलबर्न और सिडनी टीम ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट बोर्ड के साथ मिलकर कार्यक्रम को फिर से बनाने पर भी विचार कर रही है। वहीं इसके साथ ही एशेज सीरीज में भी कोरोना का साया पड़ा है। इसमें भी अब तक नौ लोग कोरोना संक्रमित हुए हैं।

नए साल 2022 में होंगी सात बड़ी घटनाएं, नास्त्रेदमस ने 15वीं सदी में ही कर दी थी भविष्यवाणी

नई दिल्ली (ईएमएस)। दुनिया के महान भविष्यवेत्ता नास्त्रेदमस ने 2022 के लिए कई बड़ी घटनाओं की भविष्यवाणी की है। फ्रेंच एस्ट्रोलॉजर नास्त्रेदमस की 6,338 भविष्यवाणियों में बताया गया है कि दुनिया का अंत कब और कैसे होगा। नास्त्रेदमस की भविष्यवाणियों में हिटलर का शासन, द्वितीय विश्व युद्ध, 9/11 का आतंकी हमला, फ्रांस क्रांति, परमाणु हथियार के विकास और भारत पूर्व पीएम इंदिरा गांधी की हत्या जैसी घटनाओं का वर्णन किया गया है।

उल्लेखनीय है कि उनकी 70 फीसदी से ज्यादा भविष्यवाणियां सच साबित हुई हैं। नास्त्रेदम का निधन 2 जुलाई, 1566 में हुआ था, लेकिन उनकी भविष्यवाणियां आज भी लोगों के जेहन में जिंदा हैं। नास्त्रेदमस की भविष्यवाणियों में साल 2022 में दुनिया की बेहद प्रभावशाली और ताकतवर शख्सियत की मौत का अंदेशा जताया गया है। सेंचुरिया की 14वीं चौपाई में उन्होंने लिखा है एक ताकतवर शख्स की अचानक मौत से बदलाव आएगा और वो देश में नया चेहरा उभरकर सामने आ सकता है।

नास्त्रेदमस की भविष्यवाणियों पर विश्वास करने वाले उनकी चौपाइयों की अलग-अलग ढंग से व्याख्या करते हैं। ये व्याख्याएं कई बार सटीक होती हैं तो कई बार गलत भी। नास्त्रेदमस की सेंचुरियां की तीसरी चौपाई में इस साल जापान में एक विनाशकारी भूकंप आने की भविष्यवाणी की गई है. भविष्यवाणी के अनुसार, यदि भूकंप दिन के बीच में आता है तो इससे भयानक क्षति और मृत्यु होंगी। 7 अक्टूबर को 5.9 की तीव्रता वाले एक भूकंप ने विशाल कांटो क्षेत्र को हिलाकर रख दिया था। हालांकि इससे कम नुकसान हुआ। जापान की राजधानी में यह 11 मार्च 2011 को तोहोकू क्षेत्र तबाह करने वाले भूंकप और बाद में आए झटकों में सबसे तेज था।

कुछ व्याख्याओं के अनुसार, 2022 के लिए नास्त्रेदमस की भविष्यवाणियों में से एक सीधे पेरिस से संबंधित है। भविष्यवाणी की व्याख्या के मुताबिक, यूरोप में युद्ध जैसा माहौल पैदा हो जाएगा। इस साल फ्रांस की राजधानी में कोविड प्रतिबंधों को लेकर हुए दंगों के अराजक दृश्य पहले ही देखे जा चुके हैं। सन 2015 में आईएसआईएस के आतंकी हमले में 130 लोग मारे गए थे. यह द्वितीय विश्व युद्ध के बाद फ्रांस में हुआ सबसे बड़ा हमला था।

नास्त्रेदमस लिखते हैं खून और भूख की बड़ी आपदा होगी। यहां सात बार समुद्र तट, भूख और कैद करने की बात लिखी गई है। इसका मतलब है कि विश्व में युद्ध और सशस्त्र संघर्ष इंसानों की भूख बढ़ा सकते हैं और इससे प्रवासियों का संकट गहराएगा। नास्त्रेदमस की भविष्यवाणियों पर भरोसा करने वालों को लगता है कि सामान्य से सात गुना अधिक प्रवासी यूरोप के तटों पर पहुंचेंगे। बता दें कि यूके और यूरोप में प्रवासियों का संकट पहले ही एक बड़ा राजनीतिक मुद्दा बना हुआ है।

कुछ लोगों को लगता है कि नास्त्रेदमस ने यूरोपियन संघ के पतन की भी भविष्यवाणी की है, जो कि 2016 में ब्रिटेन द्वारा ब्रेक्सिट को वोट देने के बाद से संकट की स्थिति में है। नास्त्रेदमस के मुताबिक, ब्रेक्सिट सिर्फ एक शुरुआत थी। 2022 में पूरे यूरोपियन संघ का पतन होना तय है।

सन 2021 में इसे लेकर खास भविष्यवाणी की गई थी कि एक तरह का धूमकेतु पृथ्वी से टकराएगा। इस पर नास्त्रेदमस ने लिखा, मैं पृथ्वी पर आसमान से आग गिरती देखता हूं। बता दें कि इस साल पृथ्वी 2021 जीडब्ल्यू4 धूमकेतु से टकराने से बची है। हालांकि नासा इसे बड़ी चिंता का विषय नहीं मानता। उसका मानना है कि भविष्यवक्ता की नाटकीय भविष्यवाणी यहां फिट नहीं होती है।

नास्त्रेदमस की भविष्यवाणियों में 2022 के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के विकास का उल्लेख मिला था। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) टेक्नोलॉजी हर साल एडवांस लेवल पर जा रही है। नास्त्रेदमस की भविष्यवाणी पर विश्वास करने वाले कुछ लोगों का कहना है कि आने वाले वर्ष में मानव जाति पर रोबोट का कब्जा होगा।

सरकार ने चुनावी बांड की 19वीं किस्त जारी करने मंजूरी दी

नई दिल्ली (ईएमएस)। सरकार ने चुनावी बांड की 19वीं किस्त जारी करने के ??लिए मंजूरी दे दी। यह एक जनवरी से 10 जनवरी तक खुलेगी। यह मंजूरी पांच राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले दी गई है। बताया जा रहा है ?कि राजनीतिक चंदे में पारदर्शिता लाने के प्रयासों के तहत राजनीतिक दलों को दिए जाने वाले नकद चंदे के विकल्प के रूप में चुनावी बांड की व्यवस्था की गई है। हालांकि, विपक्षी दल ऐसे बांडों के माध्यम से चंदे में कथित पारदर्शिता की कमी को लेकर चिंता जताते रहे हैं। वित्त मंत्रालय ने कहा ?कि भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) को जनवरी से 10 जनवरी 2022 के बीच उसकी 29 अधिकृत शाखाओं के जरिये चुनावी बांड जारी करने और उसे भुनाने के लिए अधिकृत किया गया है। एसबीआई की ये 29 विशिष्ट शाखाएं लखनऊ, शिमला, देहरादून, कोलकाता, गुवाहाटी, चेन्नई, तिरुवनंतपुरम, पटना, नई दिल्ली, चंडीगढ़, श्रीनगर, गांधीनगर, भोपाल, रायपुर और मुंबई जैसे शहरों में हैं। उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हिमाचल प्रदेश और गोवा में अगले साल विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। पहले चरण के चुनावी बांड की बिक्री एक से 10 मार्च, 2018 के दौरान हुई थी। बांड की 18वीं किस्त की बिक्री 1-10 सितंबर 2021 को हुई थी।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

मुम्बई (ईएमएस)। मुम्बई शेयर बाजार शुक्रवार को साल के अंतिम दिन तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में यह उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही बैंकिंग, आईटी और उर्जा सहित सभी क्षेत्रों में हुई भारी लिवाली (खरीददारी) से आया है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 459 अंकों की तेजी के साथ ही 58,253 वहीं पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 150 अंकों की बढ़त के साथ ही 17,354 अंकों पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान हिंडाल्को 5.76 फीसदी, टाईटन 3.49 फीसदी, अल्ट्राटेक सीमेंट 2.62 फीसदी, टाटा मोटर्स 2.55 फीसदी, कोटक महिंद्रा 2.33 फीसदी, मारुति सुजुकी 1.98 फीसदी, एसबीआई 1.94 फीसदी, ग्रासिम 1.79 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुए। वहीं रिलायंस इंडस्ट्रीज, टीसीएस और विप्रो जैसे शेयरों में भी तेजी आई। बाजार में जबरदस्त तेजी के बाद भी साल के अंतिम दिन कोल इंडिया, इंफोसिस, पावर ग्रिड, टेक महिंद्रा, सिप्ला, एनटीपीसी के शेयरों में गिरावट रही। बाजार में मिड कैप और स्मॉल कैप सहित शेयरों में भी खरीदारी दर्ज की गई पर ऑयल व गैस क्षेत्र में गिरावट दर्ज की गयी।

सोना और चांदी में मामूली तेजी

मुंबई (ईएमएस)। सोना और चांदी की कीमत शुक्रवार को सपाट स्तर पर कारोबार करते हुए दिखाई दे रहे हैं। भारत के वायदा बाजार में सोने की कीमत में मामूली तेजी देखने को मिल रही है। जबकि चांदी की कीमत 100 रुपए की तेजी देखने को मिल रही है। मल्टी कमोडिटी इंडेक्स पर सोने के दाम में सुबह 29 रुपए प्रति दस ग्राम की तेजी के साथ 47914 रुपए प्रति दस ग्राम पर कारोबार दर्ज ?किया गया। वहीं चांदी की कीमत में 110 रुपए की तेजी के साथ 62270 रुपए प्रति किलोग्राम पर कारोबार देखा गया। एक दिन पहले चांदी की कीमत 62160 रुपए प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। जब?कि विदेशी बाजारों में सोना और चांदी दोनों सपाट स्तर पर कारोबार कर रहे हैं। न्यूयॉर्क के कॉमेक्स मार्केट में सोने की कीमत 4.40 डॉलर प्रति ओंस की तेजी के साथ 1818.40 डॉलर प्रति ओंस पर कारोबार कर रहा है। जबकि गोल्ड स्पॉट 3.37 डॉलर की तेजी के साथ 1818.04 डॉलर प्रति ओंस पर कारोबार कर रहा है। न्यूयॉर्क के कॉमेक्स मार्केट में 0.37 फीसदी की तेजी के साथ 23.15 डॉलर प्रति ओंस पर कारोबार कर रही है। जबकि सिल्वर स्पॉट में 0.28 फीसदी की तेजी के साथ 23.11 डॉलर प्रति ओंस पर कारोबार कर रहा है।

आरबीआई ने बैंकों के लिए केवायसी नवीकरण मार्च 2022 तक बढ़ाया

मुंबई (ईएमएस)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बैंकों के पुराने ग्राहकों की जानकारी समय समय पर अद्यतन करने के बारे में केवाईसी संबंधी दिशानिर्देशों में ढील को 31 मार्च 2022 तक के लिए बढ़ा दिया है। यह निर्णय कोविड के नए रूप के चलते बढ़ी अनिश्चितता के दौर में ग्राहकों और बैंक कर्मियों को परेशानी से बचाने के लिए किया गया है। आरबीआई ने बैंकों को उनके वर्तमान ग्राहकों के केवाईसी को समय-समय पर अद्यतन कराने के बारे में 25 फरवरी 2016 को को वृहद दिशानिर्देश जारी किया था। इसमें केवाईसी का नियमित समयांतराल पर नवीनीकरण न होने पर ग्राहक के खाते के परिचालन पर पाबंदी लगाने का प्रावधान है। केंद्रीय बैंक ने कोरोना की दूसरी लहर के बीच पांच मई 2021 को इस नियम में 31 दिसंबर 2021 तक ढील दे दी थी। आरबीआई की ओर से बैंकों के लिए हाल ही में जारी ?किए गए एक सकुर्लर में कहा गया है ?कि कोविड-19 के नए स्वरूप से व्याप्त वर्तमान अनिश्चितता को देखते हुए (पांच मई के सकुर्लर) के अंतर्गत प्रदस्त शिथिलता को एतद्वारा 31 मार्च 2022 तक बढ़ाया जाता है।

इस साल बिटकाइन में 62 फीसदी का इजाफा

मुंबई (ईएमएस)। बिटकॉइन ट्रेडिंग के साथ क्रिप्टोकरेंसी की कीमत में साल के आखिरी दिन शुक्रवार को जबरदस्त तेजी देखने को मिल रही है। बाजार पूंजीकरण के हिसाब से दुनिया की सबसे लोकप्रिय और सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन एक फीसदी की उछाल के साथ 47,217 डॉलर पर कारोबार कर रही है। जानकारी के अनुसार ग्लोबल क्रिप्टो मार्केट कैप भी एक फीसदी से ज्यादा बढ़कर 2.34 ट्रिलियन डॉलर हो गया। इथेरियम 2 फीसदी से अधिक 3,717 डॉलर पर कारोबार कर रहा थी। दूसरी ओर डॉगकोइन की कीमत भी 1.5 फीसदी बढ़कर 0.17 डॉलर हो गई, जबकि शीबा इनु एक फीसदी बढ़कर 0.000034 डॉलर हो गई। उसी समय, बाईनेंस काइन 515 डॉलर पर तेजी के साथ कारोबार कर रहा है। अन्य डिजिटल टोकन जैसे सोलाना, यूनिस्वैप, कार्डानो, पॉलीगॉन, लिटकोइन, टेरा, एक्सआरपी, पोलकाडॉट, स्टेलर के प्रदर्शन में भी सुधार हुआ क्योंकि वे पिछले 24 घंटों में लाभ के साथ कारोबार कर रहे थे। 2021 में बिटकॉइन 62 फीसदी बढ़ा है जबकि दूसरा सबसे बड़ा डिजिटल टोकन, ईथर उक्त अवधि के दौरान 400 फीसदी से अधिक बढ़ गया है। बिटकॉइन, जो अपनी अस्थिरता के लिए प्रसिद्ध है, ने नवंबर की शुरुआत में रिकॉर्ड बनाने के बाद से 21,000 डॉलर से अधिक की गिरावट दर्ज की है। वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनियों द्वारा ब्लॉकचेन तकनीक को अपनाने से ईथर ने बिटकॉइन को बेहतर प्रदर्शन किया है। अस्थिरता को ध्यान में रखते हुए बिटकॉइन पर ईथर के बेहतर प्रदर्शन को मापने से पता चलता है कि इसका मूल्य 2018 की गर्मियों में पिछली बार देखे गए स्तरों तक बढ़ गया है। बीते एक साल में क्रिप्टोकरेंसी की कीमतों में काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिला है।

शब्द पहेली - 7154

1	2		3		■	4	5	
6		■		■	7			■
	■	8		9	■	■	10	
11			■	12		13		■
	■		■		■		■	14
■	15				■	16		
17		■	■	18	19		■	
■	20	21		■		■	22	
23			■	24				

बाएँ से दाएँ

1. अपनत्व, अपनाव-5
4. खाने लायक तैयार होना-3
6. गोंद, लाख-2
7. पति, शौहर-3
8. जंगल, अरण्य-3
10. उत्साह, ललक-2
11. प्रलय, आफत-3
12. ईश्वर, रब-4
15. वट वृक्ष-4
16. निर्माण (उर्दू-3)
17. धोखा, कपट-2
18. दृष्टि, निगाह-3
20. स्वदेश, मातृभूमि-3
22. एक पैसा-2
23. विजय, जीत-3
24. आत्मबलिदानी, साहसी-5

ऊपर से नीचे

1. उपद्रव की स्थिति, अशांति-5
2. लम्हा, क्षण-2
3. गिरावट, अवनति-3
4. मवाद-2
5. मरियल, दुर्बल-4
8. असरदार, प्रभावी-4
9. नाक छेदना-2,3
13. विदिर्ण, छिन्न भिन्न होना-4
14. मांग, अनुरोध-5
15. बलवा, गदर-4
19. विष, गरल-3
21. अस्तर, स्तर-2
22. देवदास की प्रेमिका-2

शब्द पहेली -7153 का हल

ती	रं	दा	ज	■	को	म	लां	गी
व्र	■	म	न	भ	र	ना	■	ज
ता	र	■		र	■	■	स	र
■	म	■	क	म	र	■	मा	■
प्र	ता	ड़	ना	■	स	र	ज	मीं
■	जो	■	त	र	ना	■	वा	■
बा	गी	■	■	सी	■	■	दी	न
य	■	ल	ची	ला	प	न	■	य
स	ना	त	न	■	र	स	खा	न

Jagrutidaur.com, Bangalore

Xiaomi और Oppo पर 1000 करोड़ रुपये का जुर्माना लगेगा - आयकर विभाग

नई दिल्ली (ईएमएस)। आयकर विभाग ने कहा है कि मोबाइल कंपनी ग्रैंदस और ध्ज्ज्द ने टैक्स कानूनों का उल्लंघन किया है और इन पर 1000 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया जा सकता है।गौरतलब है कि 21 दिसंबर को दिल्ली और 11 राज्यों-कर्नाटक, तमिलनाडु, असम, पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र, बिहार और राजस्थान में इन कंपनियों के ठिकानों पर छापेमारी की गई थी।

आयकर विभाग की ओर से आज जारी बयान में कहा गया है, 'छापे की कार्रवाई में खुलासा हुआ है कि दोनों प्रमुख कंपनियों ने अपने और विदेशों में स्थित ग्रुप की कंपनियों के हवाले से रॉयल्टी के रूप में राशि भेजी जो 5500 करोड़ से अधिक की है।' बयान में कहा गया है, 'इन कंपनियों ने इनकम टैक्स एक्ट 1961 के तहत ट्रांजेक्शन के खुलासे के नियम का पालन नहीं किया। इस तरह की गलती इन्हें दंडात्मक कार्रवाई के लिए उत्तरदायी बनाती है।'

केंद्रीय एजेंसी का यह भी कहना है कि विदेशी फंड का स्रोत भी संदिग्ध है। छापे में यह बात सामने आई है कि भारतीय कंपनी की बुक्स में जिस तरह से विदेशी फंड को पेश किया गया है, उससे पता चलता है कि जिस तरह से इन्हें प्राप्त किया गया है, उसकी प्रकृति संदिग्ध है।इस लेनदारी की मात्रा करीब 5000 करोड़ रुपये है जिस पर ब्याज व्यय का भी दावा किया गया है।

वैक्सीन कोविशील्ड की पूर्ण मंजूरी के लिए सीरम इंस्टीटयूट का आवेदन

-सीरम इंस्टीटयूट ने देश में 1.25 बिलियन से अधिक वैक्सीन की आपूर्ति की है

नई दिल्ली(ईएमएस)। ओमिक्रॉन के बढ़ते खतरे के बीच सीरम इंस्टीटयूट ऑफ इंडिया ने अपने कोविड-19 वैक्सीन कोविशील्ड की पूर्ण मंजूरी के लिए देश के दवा नियामक और स्वास्थ्य मंत्रालय को आवेदन किया है। सीरम इंस्टीटयूट को इस वर्ष की शुरुआत में भारत में कोविशील्ड के आपातकालीन उपयोग के लिए मंजूरी दी गयी थी। सीरम इंस्टीटयूट ने देश में 1.25 बिलियन से अधिक वैक्सीन की आपूर्ति की है। सीरम इंस्टीटयूट एस्ट्रेजेनका के वैक्सीन को भारत में कोविशील्ड के नाम से वितरित कर रहा है।

सीरम इंस्टीटयूट के सीईओ आदर पूनावाला ने ट्वीट किया है- भारत सरकार के पास अब पूर्ण बाजार प्राधिकरण पर विचार करने के लिए पर्याप्त डेटा है। आदर पूनावाला ने केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सिडस्को) और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय को टैग करते हुए ट्वीट किया, भारत में कोविशील्ड टीके की आपूर्ति 1.25 अरब खुराकों को पार कर गयी है। भारत सरकार के पास पूर्ण बाजार प्राधिकार के लिए पर्याप्त आंकड़े हैं और इसलिए सीरम इंस्टीटयूट ऑफ इंडिया ने इस अनुमति के लिए डीसीजीआई और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय में आवेदन दिया है। बाजार प्राधिकार किसी भी दवा को बाजार में बेचे जाने का लाइसेंस प्रदान करता है। कोविशील्ड को भारत सरकार ने इसी वर्ष जनवरी महीने में इमरजेंसी इस्तेमाल की मंजूरी दी थी। सीरम इंस्टीटयूट भारत में कोविशील्ड के नाम से वैक्सीन बना बरहा है। बाजार प्राधिकार किसी औषधीय उत्पाद जैसे कि दवा को उसके विपणन के संबंध में सहयोग देने के सबूत के तौर पर समीक्षा करने की प्रक्रिया है जिसके तहत उसे बेचे जाने का लाइसेंस दिया जाता है। सीरम इंस्टीटयूट ऑफ इंडिया ने भारत सरकार को कोविड वैक्सीन की आपूर्ति के लिए कोविशील्ड के निर्माता एस्ट्राजेनेका के साथ साझेदारी की थी।

मुंबई में हर दिन 12 घंटे पाबंदी 15 जनवरी तक के लिए कड़े नियम हुए लागू

मुंबई (ईएमएस)। बढ़ते कोरोना वायरस के मामलों को देखते हुए मुंबई में प्रतिबंधों को 15 जनवरी तक बढ़ा दिया गया है। प्रशासन द्वारा जारी नए आदेश के मुताबिक अब सार्वजनिक स्थानों पर भी जाने को लेकर पाबंदियां लागू रहेंगी। प्रशासन ने अपने आदेश में कहा कि मुंबई में सीआरपीसी की धारा 144 के तहत प्रतिबंधों को 15 जनवरी तक बढ़ा दिया गया है। मुंबई पुलिस ने नागरिकों को बीचेस, खुले मैदानों, समुद्र के किनारों, सैरगाहों, गार्डन्स, पार्कों या इसी तरह के सार्वजनिक स्थानों पर शाम 5 बजे से सुबह 5 बजे तक (12 घंटें) जाने पर रोक लगा दी है। मुंबई पुलिस प्रशासन की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि मानव जीवन, स्वास्थ्य या सुरक्षा के लिए खतरे को रोकने और कोविड-19 वायरस के प्रसार को कम करने की दृष्टि से ये प्रतिबंध लगाए गए हैं। आदेश में कहा गया है, ''मामलों में वृद्धि और नए ओमिक्रॉन वैरिएंट के उभरने से शहर को कोविड-19 महामारी से खतरा बना हुआ है।'' अधिकारियों ने नए साल से पहले सभी बड़े समारोहों पर प्रतिबंध लगा दिया था। तीसरी कोविड लहर की आशंका के बीच महाराष्ट्र में 198 ताजा ओमिक्रॉन मामले देखे गए हैं। इसके अलावा महाराष्ट्र में पिछले 24 घंटों में 5,368 नए कोरोनो वायरस के मामले दर्ज किए गए, जो एक दिन पहले की तुलना में 37 प्रतिशत अधिक हैं। विशेषज्ञों द्वारा नए वैरिएंट को ठअत्यधिक संक्रामकठ बताया गया है। मुंबई में भी 3,671 संक्रमणों के साथ एक बार फिर भारी उछाल देखा गया - कल की तुलना में 46 प्रतिशत अधिक मामले हैं।

सिद्धू के पंजाब चीफ बनने के बाद नेताओं के कांग्रेस छोड़ना जारी

-अब इस्तीफे के बाद मीडिया से सुखजिंदर सिंह लाली ने बयां किया दर्द

अमृतसर(ईएमएस)। नवजोत सिंह सिद्धू की तरफ से पंजाब कांग्रेस प्रधान का पद संभालने के बाद नेताओं के पार्टी छोड़ना जारी है। कैप्टन अमरिन्दर सिंह के बाद पार्टी के तीन विधायकों ने कांग्रेस को अलविदा कह दिया है। अब सीनियर कांग्रेसी नेता और हलका मजीठा से तीन बार चुनाव लड़ चुके सुखजिंदर राज सिंह लाली ने पनग्रेन के चेयरमैन के पद से इस्तीफा दे दिया है। हालांकि लाली ने अभी तक पार्टी नहीं छोड़ी है।

पत्रकारों को जानकारी देते हुए लाली मजीठिया ने अपना इस्तीफा देने का कारण पार्टी में चल रहे आपसी क्लेश और पांच सालों दौरान उनकी उपेक्षा की गई है। इसके साथ ही सुखजिंदर राज लाली मजीठिया ने कहा कि वह मजीठा हलके में अपने वर्करों के साथ बातचीत करेंगे अगर उनके वर्कर चाहेंगे कि वह एक बार फिर से आजाद उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ें तो वह जरूर लड़ेंगे।

अफगानिस्तान छोड़ने पर गनी ने कहा कोई और विकल्प नहीं बचा था, स्टैंड लेता तो मारे जाते सभी लोग

अबू धाबी (ईएमएस)। अफगानिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति अशरफ गनी ने 15 अगस्त को हुई घटनाओं के बारे में अपनी चुप्पी तोड़ी है। काबुल को संकट में छोड़ भागने के आरोपों का भी जवाब दिया है। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में मौजूद गनी ने कहा उन्होंने अपनी जान बचाने और राजधानी को तबाही से बचाने के लिए काबुल छोड़ने का फैसला लिया था।

गनी ने उन आरोपों का भी खंडन किया कि वह अपने देश से लाखों डॉलर लेकर भाग गए हैं। गनी ने कहा जिस दिन तालिबान ने काबुल पर कब्जा किया और उनकी अपनी सरकार गिर गई। इसका उन्हें कतई अहसास नहीं था कि 15 अगस्त को उनका अफगानिस्तान में आखिरी दिन होगा। अशरफ गनी ने कहा कि उस दोपहर तक राष्ट्रपति महल में सुरक्षा ढह चुकी थी।

अगर मैं कोई स्टैंड लेता तो वे सभी मारे जाते और वे मेरा बचाव करने में सक्षम नहीं थे। गनी ने ब्रिटेन के पूर्व चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल निक कार्टर द्वारा आयोजित साक्षात्कार में कहा कि उनके राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार हमदुल्ला मोहिब बहुत भयभीत थे। गनी ने कहा उन्होंने मुझे दो मिनट से ज्यादा नहीं दिया। उन्होंने कहा कि उनके निर्देश मूल रूप से दक्षिणपूर्वी खोस्त शहर के लिए हेलीकॉप्टर से उड़ान भरने के थे।

तालिबान के काबुल पर कब्जे के बीच अपने देश के लोगों को मुश्किल घड़ी में छोड़कर भागने के आरोप गनी पर लगाए गए थे। इसके साथ ही अपने साथ लाखों डॉलर कैश ले जाने की भी खूब आलोचना हुई थी। हालांकि गनी ने इन आरोपों से इनकार किया है। उन्होंने कहा उनकी पहली चिंता राजधानी में सड़क पर होने वाली लड़ाई को रोकने के लिए थी, जो पहले से ही देश में कहीं और हिंसा से भाग रहे हजारों शरणार्थियों से भरी हुई है।

अमेरिका में ओमिक्रॉन बच्चों को ले रहा चपेट में, विशेषज्ञों ने जताई चिंता

न्यूयॉर्क (ईएमएस)। अमेरिका में कोरोना वायरस के नए वेरिएंट 'ओमिक्रॉन' ने कोहराम मचा रखा है। यहां इसने बच्चों को भी अपनी चपेट में लेना शुरू कर दिया है। अमेरिका में कोरोना संक्रमण के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। प्राप्त जानकारी के मुताबिक अमेरिका में बच्चों को लगातार अस्पतालों में भर्ती कराया जा रहा है। जिसको देखकर चाइल्ड हेल्थ विशेषज्ञ काफी चिंतित हैं। डॉक्टरों ने कहा कि इस महीने अस्पताल में भर्ती बच्चों में वे जितने गंभीर कोरोना के लक्षण देख रहे हैं, उनमें सांस लेने में समस्या और तेज बुखार शामिल है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, न्यूयॉर्क विश्वविद्यालय के लैंगोन हेल्थ हॉस्पिटल सिस्टम में चाइल्ड स्पेशलिस्ट रेबेका मदान ने बताया कि बच्चों को सांस लेने में मदद की आवश्यकता है, उन्हें अतिरिक्त हाइड्रेशन की ज़रूरत है। वे अस्पताल में समाप्त होने के लिए पर्याप्त बीमार हैं और यह डॉक्टरों के लिए डरावना है, यह माता-पिता के लिए भी डरावना है।

मालूम हो कि कोरोना के नए वेरिएंट के सबसे ज्यादा मामले अमेरिका में दर्ज किए जा रहे हैं, जहां पर रोजाना तकरीबन 2.5 लाख से ज्यादा मामले सामने आ रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि इस हफ्ते पिछले हफ्ते की तुलना में 66 फीसदी तेजी से मामले बढ़े हैं। जो डराने वाला है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के प्रमुख टेड्रोस अदानोम गेब्रिएसस के अनुसार दुनियाभर में विशेष रूप से यूरोप में तस्वीर कहीं और गंभीर है। उन्होंने कहा कि डेल्टा स्वरूप के साथ अब ओमीक्रोन के कारण वह मामलों की सुनामी को लेकर चिंतित हैं। अमेरिका में कोरोना से मौत के मामले पिछले दो हफ्तों में औसतन 1,200 प्रतिदिन से बढ़कर लगभग 1,500 हो गए हैं।

क्वेटा में भीषण बम विस्फोट में 4 लोगों की मौत 15 घायल

क्वेटा (ईएमएस)। पाकिस्तान के क्वेटा प्रांत में गुरुवार देर रात हुए बम विस्फोट में चार लोगों की मौत हो गई है, जबकि 15 अन्य घायल हुए हैं। अधिकारियों ने बताया बम धमाका जिन्ना रोड पर साइंस कॉलेज के पास खड़ी एक कार के पास हुआ। जिन्ना रोड क्वेटा के प्रमुख मार्गों में से एक है और खरीदारी करने वालों का लोकप्रिय स्थान है।

अधिकारियों ने बताया कि इस घटना में घायल हुए सभी लोगों को क्वेटा के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अधिकारियों ने बताया कि विस्फोट इतना भयंकर था कि इससे आस-पास की इमारतों के शीशे टूट गए। पाकिस्तान के इस इलाके में इस्लामिक स्टेट काफी सक्रिय है।

ओमिक्रॉन और डेल्टा के संगम से आ सकती कोरोना की 'सुनामी'!

-डब्ल्यूएचओ प्रमुख ने जताई चिंता

बर्लिन (ईएमएस)। कोरोना के नए स्वरूप ओमिक्रॉन के बढ़ते संक्रमण के बीच डब्ल्यूएचओ प्रमुख ने कहा कि ओमिक्रॉन और डेल्टा स्वरूपों के संगम से संक्रमण और तेज होगा और इसकी 'सुनामी' आने की आशंका और बढ़ जाएगी, लेकिन उन्होंने उम्मीद जताई कि दुनिया अगले साल में इस महामारी को पछाड़ देगी। कोरोना वायरस सबसे पहले सामने आने के लगभग दो साल बाद संयुक्त राष्ट्र की स्वास्थ्य एजेंसी के शीर्ष अधिकारियों ने आगाह किया कि वायरस के सबसे नए स्वरूप ओमिक्रॉन से हल्के-फुल्के लक्षण वाला संक्रमण होने की ओर इशारा करने वाले शुरुआती आंकड़ों को पूरी तरह मान लेना अभी जल्दबाजी होगी। दक्षिण अफ्रीका में पिछले महीने सबसे पहले सामने आए वायरस के इस स्वरूप का संक्रमण अमेरिका और यूरोप के हिस्सों में फैलता जा रहा है। डब्ल्यूएचओ के 194 सदस्य देशों में से 92 देश इस साल के अंत तक अपनी 40 प्रतिशत आबादी का टीकाकरण कराने के लक्ष्य को पूरा नहीं कर पाये हैं जिसके बाद इसके महानिदेशक टेड्रस अधनम घेब्रेयेसस ने सभी से नए साल पर यह संकल्प लेने का आग्रह किया है कि जुलाई की शुरुआत तक देशों की 70 प्रतिशत जनसंख्या के टीकाकरण के अभियान का समर्थन करें।

डब्ल्यूएचओ के आंकड़ों के अनुसार दुनियाभर में पिछले सप्ताह सामने आए कोविड-19 के मामलों की संख्या उससे पहले के सप्ताह की तुलना में 11 प्रतिशत अधिक हो गई और अमेरिका महाद्वीपीय देशों में सर्वाधिक बढ़ोतरी देखी गई है। संयुक्त राष्ट्र की स्वास्थ्य एजेंसी ने मंगलवार को जारी अपनी साप्ताहिक महामारी संबंधी रिपोर्ट में कहा कि 20 से 26 दिसंबर के बीच दुनियाभर में करीब 49.9 लाख नए मामले सामने आए। इनमें से आधे से अधिक मामले यूरोप में आये। हालांकि यूरोप के मामलों में एक सप्ताह से पहले की तुलना में केवल तीन प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई। डब्ल्यूएचओ ने कहा कि अमेरिका महाद्वीपीय क्षेत्र में न मामले 39 प्रतिशत बढ़कर करीब 14.8 लाख हो गए। अकेले अमेरिका में 34 प्रतिशत वृद्धि के साथ 11.8 लाख से अधिक मामले हो गए। अफ्रीका में नये मामलों में 7 प्रतिशत बढ़ोतरी के साथ संक्रमितों की संख्या करीब 2,75,000 हो गई। संगठन ने कहा, 'नए स्वरूप ओमिक्रॉन से संबंधित जोखिम बहुत ज्यादा बना हुआ है।' टेड्रस ने एक ऑनलाइन पत्रकार वार्ता में कहा, 'मुझे इस बात की बहुत चिंता है कि डेल्टा के प्रकोप के दौरान ही ओमिक्रॉन का अधिक संक्रामक होना मामलों की सुनामी लाने की आशंका दर्शाता है।' उन्होंने कहा कि इससे पहले ही थक चुके स्वास्थ्य कर्मियों और स्वास्थ्य प्रणाली पर अत्यधिक बोझ पड़ेगा।

द अफ्रीका में गुजरा ओमिक्रोन का पीक, नाइट कर्फ्यू हटा

-अफ्रीका में ही ओमिक्रोन वैरिएंट की जानकारी सामने आई थी

जोहान्सबर्ग(ईएमएस)। एक तरफ जहां दुनिया ओमिक्रोन की दहशत के साए में है तो वहीं दूसरी तरफ एक राहत भरी खबर भी सामने आई है। दक्षिण अफ्रीका से ओमिक्रोन का चरम या पीक अब निकल चुका है। अफ्रीका में ही पहली बार ओमिक्रोन वैरिएंट की जानकारी सामने आई थी। यहां से ही ये दूसरे देशों में फैला था। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक अब तक 90 से अधिक देशों में इसके मामले सामने आ चुके हैं। दक्षिण अफ्रीका की तरफ से कहा गया है कि मामलों में आई गिरावट के बाद अब देश में रात्रि कर्फ्यू को भी हटा दिया गया है। बीबीसी के मुताबिक हाल के दिनों में कोरोना और ओमिक्रोन की वजह से अस्पताल में भर्ती होने वालों की संख्या में पहले के मुकाबले काफी कमी आई है। 25 दिसंबर को खत्म हुए सप्ताह के दौरान इस बात को देखा गया है कि जहां इससे पहले के सप्ताह में देश में 127753 मामले सामने आए थे वहीं इस बार ये 89781 थे।

एक बयान में कहा गया है कि मरीजों की संख्या में आई कमी के बाद दूसरी बीमारियों से ग्रसित मरीजों के रूटिन चैकअप की सुविधा को भी दोबारा बहाल कर दिया गया है। बता दें कि दक्षिण अफ्रीका में कोरोना महामारी के दौरान करीब 35 लाख मामले दर्ज किए गए जिसमें से करीब 90 हजार मरीजों की मौत भी हो गई थी। जानकारों का कहना है कि जल्द ही ओमिक्रोन वैरिएंट कोरोना के डेल्टा वैरिएंट की जगह ले लेगा और इसके मामलों में भी जबरदस्त तेजी आएगी।

भारत में भी ओमिक्रोन के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। यहां पर अब तक 1200 से अधिक मामले सामने आ चुके हैं, जिनमें सबसे अधिक महाराष्ट्र और दिल्ली में हैं। आपको बता दें कि पूरी दुनिया में कोरोना महामारी के अलावा ओमिक्रोन की दहशत भी साफतौर पर देखी जा सकती है। ब्रिटेन, फ्रांस, अमेरिका में लगातार कोरोना के मामलों में बेतहाशा तेजी देखने को मिली है। दुनिया के कई देशों ने अपने यहां पर पाबंदियों को दोबारा बढ़ा दिया है। गौरतलब है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन पहले ही इसको वैरिएंट आफ कंसर्न की सूची में डाल चुका है। संगठन का कहना है कि इसके संक्रमण की दर अब तक सामने आए दूसरे वैरिएंट से सबसे अधिक है। संगठन की तरफ से ये भी कहा जा चुका है कि इसके मामले डेढ़ से तीन दिनों के अंदर दोगुने हो सकते हैं।

अमेरिका में तांबे बक्से में बंद मिला 'टाइम कैप्सूल'

-मूर्ति के नीचे दबाया गया था इसे, 130 साल पुराना है यह

वॉशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिका में तांबे बक्से में बंद 'टाइम कैप्सूल' मिला है। यह एक तांबू की मू?र्ति के नीचे रखा गया था। यह टाइम कैप्सूल 130 साल पुराना बताया जा रहा है। यहां यह दूसरा टाइम कैप्सूल खुदाई के दौरान मिला है। वर्जीनिया के गवर्नर राल्फ नार्थम ने ट्वीट करके इस टाइम कैप्सूल के मिलने का ऐलान किया। उन्होंने कहा, 'उन्होंने इसे पा लिया है। यह वही टाइम कैप्सूल है जिसकी तलाश सभी लोग कर रहे थे।'

सोमवार को जो नया टाइम कैप्सूल मिला है, वह आकार में लगभग दोगुना है। गवर्नर ने कहा कि संरक्षणकर्ता इसका अध्ययन करेंगे और इसे जल्द खोला जाएगा। पिछले साल जार्ज फ्लायड की मौत के बाद ली की मूर्ति विरोध करने वालों के निशाने पर आ गई थी जो नस्ली न्याय की मांग कर रहे थे। ली ने दासता को बनाए रखने के लिए समर्थन किया था। राल्फ ने कहा कि संरक्षण करने वाले लोग इस बात का अध्ययन कर रहे हैं कि आगे क्या करना है। माना जा रहा है कि इसे जल्द ही खोला जाएगा। साल 1887 के आर्टिकल के मुताबिक एक टाइम कैप्सूल को जनरल राबर्ट ई ली के मूर्ति के नीचे एक टाइम कैप्सूल को छिपाया गया था। जनरल राबर्ट ने गृहयुद्ध के दौरान उत्तरी वर्जीनिया की सेना का नेतृत्व किया था। इस टाइम कैप्सूल में बटन, करेंसी, नक्शा, अब्राहम लिंकन की उनके ताबूत में रखी दुर्लभ तस्वीर और गोलियां रखी गई हैं। जूते के डिब्बे के आकार के टाइम कैप्सूल को मूर्ति के आधार में खुदाई के दौरान पाया गया था। गवर्नर ने अपने ट्वीट में तांबे के बॉक्स की तस्वीर भी पोस्ट की है।

जनरल राबर्ट की यह मूर्ति वर्जीनिया शहर के रिचमंड इलाके में है जो साल 1861-65 तक चले संघर्ष के दौरान दक्षिण की राजधानी थी। इस मूर्ति को गिरा दिया गया था। इससे पहले मिले टाइम कैप्सूल में तीन किताबें, एक फोटो और एक सिक्का मिला था। माना जा रहा है कि पहला टाइम कैप्सूल यादगार था जिसे वहां काम कर रहे कुछ कामगारों ने रखा था।

एक भी दिन बटन नहीं दबाई तो हो जाएगी शख्स की मौत

-डॉ डेथ बनाना चाहते है ऐसी सर्जरी

कैनबरा(ईएमएस)। डॉक्टर निट्स्के उर्फ डॉ डेथ एक ऐसी सर्जरी बनाना चाहते हैं जिसे अगर रोजाना सक्रिय न किया गया तो शख्स की मौत हो सकती है। लोगों के शरीर में एक घातक इम्प्लांट लगाया जाएगा, ?जिसमें से जहर को बाहर निकलने से रोकने के लिए रोज एक बटन को दबाना होगा। अगर व्यक्ति मनोभ्रंश का शिकार हो जाता और वह खुद को बचाने वाले बटन को दबाना भूलता है तो उसकी जान जा सकती है। डॉ निट्स्के ने कहा कि जब किसी व्यक्ति को मनोभ्रंश रोग होता है तो कुछ जगहों पर वह कानूनी रूप से 'स्वस्थ दिमाग के साथ' एक पेपर साइन कर सकता है। जिसमें वह लिखता है कि 'अगर ऐसा होता है तो मुझे मार डालो।' अब 10 साल बाद अगर कोई डॉक्टर उस पेपर को पढ़े तो कानूनी रूप से वह मनोभ्रंश रोगी को एक इंजेक्शन देकर मार सकता है। हालांकि उस वक्त रोगी को नहीं मालूम होता कि वह अपनी जिंदगी के साथ क्या चाहता है। उन्होंने कहा कि यह बहुत से लोगों को काफी असहज महसूस करा सकता है और निश्चित रूप से मैं भी इससे असहज महसूस करता हूं।

ऐसे में हम जिस चीज पर काम कर रहे हैं वह एक प्रकार का इम्प्लांट है जिसे रोगी को हर रोज बंद करना होगा। अगर वे भूल जाते हैं कि किसी ऐसी चीज को वे क्यों बंद कर रहे हैं जो बार-बार बीप कर रही है, तो उनकी मौत हो जाएगी। यह जिम्मेदारी सीधे उस शख्स पर ही डालता है और उसे वह करने की अनुमति देता है जो वह चाहता है। वे चाहें तो अपने जीवन को समाप्त कर सकते हैं और चाहें तो जीवित रह सकते हैं। डॉ डेथ पहले भी एक सुसाइड पॉड का निर्माण कर चुके हैं जो एक ताबूत जैसा कैप्सूल है। यह ऑक्सीजन के स्तर को कम करके और नाइट्रोजन से पॉड को भरकर किसी को भी एक मिनट से भी कम समय में मार सकता है।

इससे मौत तत्काल, बिना दर्द के और शांतिपूर्ण तरीके से होती है। डॉक्टर ने यह नहीं बताया कि यह जहर कैसा होगा और इसे कैसे शरीर में छोड़ जाएगा। लेकिन उन्होंने सुझाव दिया कि यह लोगों को भूलने की बीमारी से बचाने के लिए शरीर में जहर छोड़ने से पहले 'एक या दो दिन' तक बीप कर सकता है। इससे शरीर में जहर घुलने से पहले मनोभ्रंश की स्थिति भी स्पष्ट की जा सकेगी।

गुजरात में कोरोना ने पकड़ी रफ्तार, अहमदाबाद में 311 समेत राज्य में 654 नए मामले

अहमदाबाद (ईएमएस)। गुजरात में जिस तरह कोरोना संक्रमण तेज से बढ़ रहा है उससे स्पष्ट है कि राज्य में तीसरी लहर की दस्तक हो चुकी है। राज्य में आज कोरोना के 654 नए केस सामने आए हैं, जिसमें सबसे अधिक 311 मामले केवल अहमदाबाद शहर में दर्ज हुए हैं। राज्य में रिकवरी रेट घटकर 98.43 हो गया है। आज राज्य में 63 मरीज ठीक होने के बाद डिस्चार्ज किए गए। वहीं आज राज्यभर में 1.88 लाख से अधिक नागरिकों का टीकाकरण किया गया। स्वास्थ्य विभाग से प्राप्त जानकारी के मुताबिक अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में कोरोना के सबसे अधिक 311 केस सामने आए। वहीं सूरत कॉर्पोरेशन में 97, वडोदरा कॉर्पोरेशन में 38, आणंद में 21, राजकोट कॉर्पोरेशन में 21, सूरत में 19, खेडा में 13, जामनगर कॉर्पोरेशन में 12, कच्छ में 12, राजकोट में 11, वलसाड में 11, नवसारी में 10, भरुच में 9, गांधीनगर में 9, गांधीनगर कॉर्पोरेशन में 9, अहमदाबाद में 6, भावनगर कॉर्पोरेशन में 6, जामनगर में 5, महीसागर में 5, मेहसाणा में 5, अमरेली में 4, मोरबी में 4, तापी में 4, पोरबंदर में 3, साबरकांठा में 3, वडोदरा में 3, बनासकांठा में 1, जूनागढ़ कॉर्पोरेशन में 1 और पंचमहल में 1 समेत राज्यभर में कोरोना के कुल 654 पॉजिटिव केस दर्ज हुए हैं। राहत की बात है कि आज राज्य में कोरोना से कोई मौत नहीं हुई। वहीं 63 मरीजों को डिस्चार्ज किए जाने के साथ राज्य में अब तक कुल 818652 लोग कोरोना को मात देकर स्वस्थ हो चुके हैं। राज्य में फिलहाल 2962 कोरोना के सक्रिय मरीज हैं। जिसमें 2945 स्टेबल हैं और 17 मरीज वेन्टीलेटर पर हैं। दूसरी ओर राज्य में चल रहे टीकाकरण के तहत आज 188125 नागरिकों को वैक्सीनेट किया गया। जिसमें 3 हेल्थ केयर वर्कर और फ्रंट लाइन वर्कर को पहला और 692 को दूसरी डोज दिया गया। 45 वर्ष से अधिक आयु के 6959 को पहला और 41536 लोगों को कोराना का दूसरी टीका लगाया गया। 18 से 45 वर्ष आयु समूह के 24561 को पहली और 114374 लोगों को कोविड की दूसरी वैक्सीन दी गई। राज्य में अब तक कुल 8 करोड़ 94 लाख 35 हजार 345 नागरिकों को वैक्सीनेट किया जा चुका है।

राज्य में कोरोना फिलहाल नियंत्रण में, कोई नई पाबंदिया नहीं लगाई जाएंगी : मुख्यमंत्री

राजकोट (ईएमएस)। मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने राज्य में कोरोना की मौजूदा स्थिति को देखते हुए स्पष्ट किया है कि कोई नई पाबंदिया लगाने की जरूरत नहीं है। फिलहाल राज्य में कोरोना की स्थिति नियंत्रण में है। हांलाकि लोगों को कोविड नियमों का सख्ती से पालन करना जरूरी है। राजकोट में आयोजित सुशासन सप्ताह के समापन समारोह के बाद मुख्यमंत्री ने महापौर के निवास पर शहर और जिला भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की। जिसमें मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने भाजपा कार्यकर्ताओं को पार्टी के सभी कार्यक्रमों में मास्क और सोशल डिस्टेंस का कड़ाई से पालन करने की नसीहत दी। उन्होंने कहा कि राज्य में कोरोना की स्थिति काबू में है, इसलिए फिलहाल कोई खास प्रतिबंधों की जरूरत नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस की ओर से भी ऐसी कोई पाबंदियां नहीं लगाई जाएंगी और वह लोगों के साथ सख्ती नहीं करेगी। लेकिन लोगों को मास्क और सोशल डिस्टेंस का पालन करना अनिवार्य है। पुलिस जुर्माना करे इससे पहले ही लोगों को कोविड नियमों का पालन करने की आदत डाल लेनी चाहिए।

सुशासन सप्ताह के समापन पर मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल का राजकोट में भव्य रोड शो

राजकोट (ईएमएस)। सुशासन सप्ताह के समापन पर मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल और गुजरात प्रदेश भाजपा प्रमुख सीआर पाटील ने राजकोट में भव्य रोड शो किया। राजकोट एयरपोर्ट से प्रारंभ रोड शो में बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता शामिल हुए। जगह जगह मुख्यमंत्री और भाजपा प्रमुख शानदार स्वागत किया गया। रोड शो के गंतव्य तक पहुंचने से पहले ही भाजपा प्रमुख सीआर पाटील जामनगर के ध्रोल में भूचर मोरी के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए रवाना हो गए। एयरपोर्ट से शुरू हुआ रोड शो राजकोट की धर्मेन्द्रसिंह जाडेजा कॉलेज में संपन्न हो गया। इस मौके पर पर आयोजित कार्यक्रम में कर्नाटक के पूर्व राज्यपाल और भाजपा के वरिष्ठ नेता वजुभाई वाला और गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी भी उपस्थित रहे। रोड शो के बाद धर्मेन्द्रसिंह कॉलेज में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने कहा कि पुरानी कहावत है 'भगवान एक बार सौराष्ट्र में रास्ता भटक गए, परंतु यहां आने के बाद वह स्वर्ग को भूल गए। आज मुझे लगा कि वास्तव में यहां आकर स्वर्ग भी भुलाया जा सकता है। आप लोगों ने मेरे स्वागत में कोई कसर नहीं छोड़ी इसलिए अब मेरी भी जिम्मेदारी बनती है कि आपके सभी काम पूरा करने में कोई कसर नहीं छोड़ूं। उन्होंने कहा कि मेरी नई टीम काफी उत्साह से काम कर रही है और किसी कार्य में कोई मुश्किल नहीं होगी। अच्छे काम के लिए हम आगे बढ़ रहे हैं। सुशासन केवल शहरों में नहीं बल्कि दूरदराज के व्यक्ति तक पहुंचा है। राजकोट में आज भव्य स्वागत हुआ है और हम राजकोट के लिए भी भेंट लेकर आए हैं। राजकोट महानगर पालिका के 183 करोड़ रुपए के विकास कार्यों को मंजूर किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नया साल सभी गुजरातियों को सुशासन का फल दे यही शुभकामनाएं। बता दें कि मुख्यमंत्री के रोड शो में पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी और पूर्व राज्यपाल वजुभाई वाला भी मौजूद रहे। 3.5 किलोमीटर लंबे भाजपा का रोड शो शक्ति प्रदर्शन बन गया। रोड शो के लिए उसके रूट पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। रोड शो में जगह जगह लोगों ने मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल का गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। रोड शो में 100 गाडियां, 1000 मोटर साइकिलें भी शामिल थीं।

रघु शर्मा ने शुरू की कोशिश

विधानसभा चुनाव से पहले ब्रह्म समाज को जोड़ेगी कांग्रेस

गुजरात में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस खुद को मजबूत करने का हरसंभव प्रयास कर रही है

अहमदाबाद,३१ दिसंबर । महागुजरात आंदोलन के नायक रहे यंग टर्क प्रबोध रावल, हरिहर खंभोलजा, रणजीत शास्त्री, हरिप्रसाद व्यास, ब्रह्म कुमार भट्ट कभी गुजरात कांग्रेस की रीढ़ हुआ करते थे, लेकिन धीरे-धीरे कांग्रेस नेता किनारे लगा दिए गए । इसके साथ ही प्रदेश में कांग्रेस भी सत्ता के किनारे लग गई । प्रदेश कांग्रेस प्रभारी रघु शर्मा अब ब्रह्म समाज को पार्टी से जोड़कर फिर कांग्रेस को सत्ता के केंद्र में लाने की कोशिश में हैं। गुजरात में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस खुद को मजबूत करने का हरसंभव प्रयास कर रही है। तीन दशक तक लगातार जातिवादी राजनीति में उलझे रहने के बाद अब कांग्रेस को लगता है कि पंडित, पुजारी व महंतों के जरिए फिर ब्राह्मण नेता व मतबैंक को एकजुट किया जाए, ताकि पार्टी को सत्ता में लाया जा सके । जब कांग्रेस जातिवादी राजनीति में उलझी रही। उधर, भाजपा में अशोक भट्ट, नलिन भट्ट, हरेन पंड्या, हरिन पाठक जैसे ब्राह्मण नेताओं का उदय हुआ और कांग्रेस को अपना ही वोट बैंक का फार्मूला भारी पड़ गया। रघु शर्मा ब्रह्म सम्मेलन के जरिए पार्टी को ब्राह्मण मतदाताओं से जोड़ने का प्रयास करेंगे। कांग्रेस गांव व शहरों में पंडित, पुजारी, महंत के लोकसंपर्क का लाभ उठाना चाहती है। कांग्रेस ने तीन जनवरी को पार्टी के नेताओं की बैठक बुलाई है, जिसमें ब्राह्मण समाज को पार्टी के पक्ष में लाने पर विमर्श होगा। उत्तर प्रदेश में भाजपा ब्राह्मण मत बैंक को साध रही है, वहीं गुजरात में कांग्रेस ने भी इस पर मंथन शुरू किया है । प्रदेश कांग्रेस महासचिव निशीत व्यास बताते हैं कि पार्टी में कई ब्राह्मण दिग्गज नेता हुए। प्रबोध रावल, ब्रह्मकुमार भट्ट, हरिप्रसाद व्यास, डायाभाई नायक, कोकिला व्यास जैसे नेताओं की दलित, आदिवासी सहित अन्य समुदायों में भी अच्छी पकड़ थी । अहमदाबाद की साबरमती, रखियाल जैसी सीटों पर कांग्रेस के ब्राह्मण नेता चुनाव जीतते थे, लेकिन भाजपा ने जाति के आधार पर अब इन्हें अपना गढ़ बना लिया । पूर्व विधायक इन्द्रनील राज्यगुरु का कहना है कि ब्राह्मण समुदाय भाजपा के झूठे सुशासन व राष्ट्रवाद के नारों के झांसे में आ गया था । अब ब्राह्मण समाज को नारों की हकीकत समझ आ रही है । राज्यगुरु कहते हैं कि कांग्रेस ने हमेशा सामाजिक न्याय की लड़ाई लड़ी और आज भी गरीब, किसान, पिछड़ों के हक के लिए खड़ी है ।

जेल से होते ही आप नेताओं ने कहा- असित वोरा की गिरफ्तारी तक जारी रहेगा आंदोलन

अहमदाबाद (ईएमएस)। 11 दिनों तक जेल में रहने के बाद शुक्रवार को रिहा आम आदमी पार्टी (आप) के नेताओं ने कहा कि सरकार उन्हें भले चाहे कितनी ही बार जेल भेजे, लेकिन उनका आंदोलन तब तक जारी रहेगा, जब तक गुजरात गौण सेवा पसंदगी मंडल के अध्यक्ष असित वोरा को हटाया नहीं जाता। बता दें कि गुजरात गौण सेवा पसंदगी मंडल द्वारा ली गई हेड क्लर्क की परीक्षा के पेपर लीक मामले के विरोद में आप के नेता और कार्यकर्ताओं ने गुजरात प्रदेश भाजपा मुख्यालय कमलम में काफी हंगामा किया था। पुलिस ने आप के गुजरात प्रदेश प्रमुख गोपाल इटालिया के अलावा इसुदान गढवी, प्रवीण राम, निखिल सवाणी समेत 500 लोगों की भीड़ के खिलाफ मामला दर्ज कर महिला और पुरुष समेत 93 कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया था। जिसमें महिलाओं और अन्य 10 लोग पहले ही शर्तिया जमानत पर रिहा हो चुके हैं। गोपाल इटालिय समेत 55 लोगों को गुरुवार को जमानत मिलने के बाद आज इन सभी को जेल से रिहा कर दिया गया। जेल से रिहा गोपाल इटालिया, इसुदान गढवी और प्रवीण राम समेत अन्य नेताओं का पार्टी कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत किया और भाजपा सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। इस मौके पर गोपाल इटालिया ने भाजपा सरकार पर कड़े प्रहार करते हुए कहा कि असित वोरा को जब तक गिरफ्तार नहीं किया जाता तब तक आंदोलन जारी रहेगा। इसुदान गढवी ने कहा कि जेल आना-जाना कोई बड़ी बात नहीं है। गांधीजी की कई बार जेल गए थे। हम किसी की हत्या कर जेल नहीं गए थे। हमें गर्व है कि हम युवाओं के लिए संघर्ष करते हुए जेल गए हैं। गढवी ने कहा कि 2022 के विधानसभा चुनाव में गुजरात की भाजपा को बाहर का रास्ता दिखा देगी। आप नेता प्रवीण राम ने भाजपा सरकार जब चाहे तब भेज दे, लेकिन न्याय के लिए उनकी लड़ाई जारी रहेगी।

कोर्ट ने ३ पुलिसकर्मियों पर केस दर्ज करने का दिया आदेश

सूरत,३१ दिसंबर । छह माह पहले वेसू वीआईपी रोड पर एक कैफे से बाहर निकलते समय उमरा पुलिस ने एक युवक को नाइट कर्फ्यू के उल्लंघन के आरोप में पकड़ लिया था । इसके बाद पुलिस उसे वैन में बिठाकर लेकर चली गई और उसकी इतनी पिटाई की कि वह कोमा में चला गया । अब कोर्ट ने मामले में तीन पुलिसकर्मियों नीतेश, धनसुख और एक अन्य पर मामला दर्ज करने का आदेश दिया है। घटना २२ जून की है। समीर नाम का शख्स अभी भी कोमा में है और घर पर ही इलाज चल रहा है । पुलिस ने मामले में खुद को बचाने का काफी प्रयास किया था, लेकिन परिजनों ने हिम्मत नहीं छोड़ी। आखिरकार कोर्ट ने दोषी पुलिसकर्मियों पर केस दर्ज करने का आदेश दिया। अंसारी कमिल का बेटा समीर २२ जून को अपने दोस्तों के साथ वीआईपी रोड पर स्थित एक कैफे से रात करीब ८:४५ बजे बाहर निकला । तभी उमरा पुलिस ने उसे पकड़ लिया और नाइट कर्फ्यू उल्लंघन को लेकर १००० रुपए जुर्माना देने को कहा । समीर के मना करने पर पुलिसवालों ने उसे वैन में बिठा लिया । फिर कुछ देर बाद नीतेश नाम के एक पुलिसकर्मी ने उसके दोस्त को फोन कर कहा कि समीर वैन से कूद गया है और घायल हो गया है ।

रोड शो में सीआर पाटिल भी शामिल हुए

मुख्यमंत्री के रोड शो से गायब रहे पूर्व CM रूपाणी

राजकोट,३१ दिसंबर । राजकोट में आयोजित गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के रोड शो में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सीआर पाटिल भी शामिल हुए। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सीआर पाटिल का रोड शो में भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा जगह-जगह पर भव्य स्वागत किया गया। लेकिन रोड शो खत्म होने से पच्चीस मिनट पहले ही पाटिल ने रोड शो छोड़ दिया । इतना ही नहीं राजकोट को पूर्व सीएम का गढ़ माना जाता है लेकिन उनकी गैरमौजूदगी में होने वाले रोड शो के बाद कई तरीके के सवाल खड़ा कर रहे हैं। राजकोट एरपोर्ट से शुरू हुए रोड शो में पाटिल और भूपेंद्र पटेल एक साथ खुली जीप में नजर आ रहे थे । जगह-जगह पर जीप को खड़ी की गई ताकि भूपेंद्र पटेल लोगों का अभिवादन स्वीकार कर सकें । इसी दौरान पाटिल सीएम के कंधे पर हाथ रखकर रोड शो से हटने की इच्छा जताई । सीएम से अनुमति मिलने के बाद वह जीप से उतर गए । जिसके बाद सीएम का काफिला आगे बढ़ गया । गुजरात में कोरोना के बढ़ते आतंक के बीच आज राजकोट में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल का रोड शो हुआ । पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी के गृहनगर राजकोट में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल द्वारा रोड शो आयोजित किया गया था, हालांकि विजय रूपानी रोड शो से अनुपस्थित थे। लेकिन रूपाणी रोड शो खत्म होने के बाद धर्मेंद्र कॉलेज में होने वाले कार्यक्रम में मौजूद रहे। यहां उन्होंने मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल का स्वागत भी किया । आज सुबह भूपेंद्र पटेल राजकोट एयरपोर्ट पर पहुंचे थे । जहां उनका भव्य स्वागत किया गया। सीआर पाटिल द्वारा रोड शो को हरी झंडी दिखाने के बाद एयरपोर्ट से रोड शो शुरू हुआ। रोड शो के बाद धर्मेंद्रसिंह कॉलेज परिसर में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया था।

चपेट में आ चुके हैं कई नेता

बीजेपी उपाध्यक्ष गोरधन झडफिया कोरोना संक्रमित

भाजपा जिलाध्यक्ष संदीप देसाई भी पॉजिटिव आए थे, भाजपा के नेता एक के बाद एक कोरोना के शिकार होते जा रहे हैं

अहमदाबाद,३१ दिसंबर । गुजरात में एक बार फिर से कोरोना का संक्रमण बढ़ता जा रहा है। दैनिक मामलों में भारी वृद्धि हो रही है। इस बीच बीजेपी नेता भी कोरोना से संक्रमित हो रहे हैं। गुजरात के पूर्व गृह राज्?यमंत्री और प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष गोरधन झडफिया कोरोना संक्रमित हो गए हैं। कोरोना की चपेट में आने के बाद झडफिया ने खुद को होम क्वारंटाइन कर लिया है । कल भाजपा की एक अन्य विधायक की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी । चोर्यासी विधानसभा की विधायक जंखनाबेन पटेल कोरोना की शिकार हो गई हैं । मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में जंखनाबेन मौजूद रह चुकी है। उनके साथ मंच पर डिप्टी मेयर भी मौजूद थे। पहले डिप्टी मेयर किशोर बिंदल और अब विधायक जंखनाबेन की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई है । इससे पहले भाजपा जिलाध्यक्ष संदीप देसाई भी पॉजिटिव आए थे। भाजपा के नेता एक के बाद एक कोरोना के शिकार होते जा रहे हैं । विधायक जंखनाबेन पटेल ने ट्वीट कर लिखा ''कोरोना के लक्षणों के कारण मेरा आरटी-पीसीआर टेस्ट हुआ था जिसकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई है।'' डॉक्टर की सलाह के अनुसार मैं सेल्फ क्वारंटाइन हो गई हूं, मैं स्वस्थ हूं, मैं उन सभी से अनुरोध करती हूं जो उस समय मेरे संपर्क में आए थे वह अपना कोरोना टेस्ट करवा लें और अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें । गुजरात में कोरोना का कहर एक बार फिर से बढ़ने लगा है। दैनिक मामलों में भारी उछाल देखने को मिला रहा है । अहमदाबाद में संक्रमण के सबसे ज्यादा केस दर्ज हो रहे हैं । गुजरात में बीते २४ घंटों में ५७३ नए मामले सामने आए थे । अहमदाबाद निगम में २६९ कोरोना नए मामले दर्ज किए थे। दैनिक मामलों में दर्ज की जा रही वृद्धि के बाद एक्टिव मामलों की संख्या २ हजार के पार पहुंच गई है।

पुलिस और पशुपालकों के बीच घर्षण, पीएसआई समेत तीन लोग घायल

वडोदरा (ईएमएस)। शहर के गोरवा क्षेत्र में पुलिस और पशुपालकों के बीच हुई घर्षण में 3 लोग घायल हो गए। जिसमें एक पीएसआई और दो पशुपालनक शामिल हैं। पुलिस ने दो पशुपालकों को हिरासत में लेकर कानूनी कार्रवाई शुरू की है। दरअसल देर रात वडोदरा के गोरवा क्षेत्र में गुलमहोर सोसायटी निवासी 70 वर्षीय इंद्रसिंह राणा पर गाय ने हमला कर दिया। जिसमें उनके कमर के हिस्से में फैक्चर हो गया। इस संदर्भ में गोरवा पुलिस ने गाय के मालिक के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार करने की दिशा में कवायद शुरू कर दी। दूसरी ओर गोरवा पुलिस थाने के निकट रबारी वास में गायों का झुंड निकलने पर पुलिस ने 12 जितने गाय-बछड़ों को कोर्डन कर लिया और महानगर पालिका की पशु पकड़ने वाली टीम को सूचना दे दी। पशु पकड़ने वाली गाड़ी के आने से पहले जिन पशु पालकों के गाय-बछड़े थे वह मौके पर पहुंच गए और अपने पशुओं को छुड़ाने के लिए हंगामा शुरू कर दिया। पशुपालकों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए उन्हें तितर बितर करने के लिए पुलिस ने हलका लाठीचार्ज किया। जिससे मामला और गरमा गया और पशुपालकों ने पुलिस पार्टी पर पथराव शुरू कर दिया। इस घटना में पीएसआई केजी चावडा को पैर में चोट लगी। वहीं दो पशुपालक भी इस घटना में घायल हो गए। फिर पशुपालक नहीं रुके और घायल व्यक्ति को सड़क पर लिटा कर चक्काजाम करते हुए गाय-बछड़ों को छुड़ाने का प्रयास किया। हांलाकि तब तक पशु पकड़ने वाली टीम घटनास्थल पर पहुंच गई और गाय-बछड़ों को लेकर वहां से रवाना हो गई। पुलिस ने दो पशुपालकों को हिरासत में लेकर आगे की कार्यवाही शुरू की है।

पांचवीं मंजिल से गिरकर छह साल के बच्चे की मौत

सूरत,३१ दिसंबर । गुजराती लोग त्योहार प्रेमी होते हैं और वे हर त्योहार को पूरे धूमधाम से मनाते हैं। लेकिन उत्तरायण से पहले सूरत से माता-पिता को सबक लेने वाला मामला सामने आ रहा है । अडाजण में पाल रोड पर पांचवीं मंजिल से गिरकर छह साल के बच्चे की मौत हो गई । मिल रही जानकारी के अनुसार मृतक बच्चा अपने भाई-बहन और अन्य बच्चों के साथ पतंग उड़ा रहा था उसी वक्त हुआ हादसा हो गया। मिल रही जानकारी के अनुसार मृतक बच्चा कक्षा एक में पढ़ाई करता था। वह आज अपने भाई-बहन और अन्य बच्चों के साथ छत पर पतंग उड़ा रहा था उसी वक्त यह हादसा हो गया । बच्चों को नीचे गिरता देख लोगों में हड़कंप मच गई । पांतवीं मंजिल से गिरने की वजह से उसके सिर और सीने में गंभीर चोट लगी थी । मृतक बच्चे के पिता ने बताया कि वह कक्षा-१ में पढ़ता था । वह हमारे नीलकंठ एवेन्यू के बाल मित्रों के साथ छत पर खेलने जा रहा था । उसकी बड़ी बहन उसके साथ ही रहती थी । गुरुवार की शाम वह अचानक पतंग उड़ाने के लिए जिद करने लगा जिसकी वजह से उसकी मां ने उसे पतंग दिलवा दिया था । वह अपने भाई बहन और अन्य बाल मित्रों के साथ खेल रहा था । इसी दौरान यह हादसा हो गया ।

१०वीं कक्षा का पेपर परीक्षा से १२ घंटे पहले लीक हो गया

गांधीनगर,३१ दिसंबर । गुजरात में एक के बाद एक परीक्षा के पेपर फूट रहे हैं। हेड क्लार्क और सौराष्ट्र यूनिवर्सिटी के बाद अब अरावली जिले में कक्षा १० के परीक्षा पेपर लीक होने की जानकारी सामने आ रही है। अंग्रेजी और मैथ्स के २५ अंक का पेपर बुधवार शाम से ही विभिन्न सोशल मीडिया समूहों में वायरल हो गया गया था। मिल रही जानकारी के अनुसार परीक्षा शुरू होने से १२ घंटे पहले ही पेपर लीक हो गया था । यह भी सामने आया है कि कुछ स्कूलों में छात्रों ने घर से ही जवाब लिखकर लाए थे। गौरतलब है कि इस तरह के पेपर लीक होने से मेधावी छात्रों का भविष्य खतरे में पड़ रहा है। उल्लेखनीय है कि हेड क्लर्क पेपर लीक मामले में पुलिस ने हिम्मतनगर के काणीयोल गांव से एक पिता-पुत्र को हिरासत में लिया था। पेपर लीक कांड में पुलिस अब तक २८ से ज्यादा आरोपियों को जेल भेज चुकी है।

हिट एन्ड रन की घटना में एक्टिवा सवार युवक की मौत, बाइक चालक फरार

दाहोद (ईएमएस)। शहर के चाकलिया अंडर ब्रिज चौराहे के निकट हिट एन्ड रन की घटना में एक्टिवा सवार एक युवक की मौत हो गई। घटना के बाद मोटर साइकिल चालक फरार हो गया। पुलिस ने मोटर साइकिल सवार के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की कार्यवाही शुरू की है। जानकारी के मुताबिक दाहोद जिले के देलसर गांव निवासी 19 वर्षीय रोशन नरेशभाई भूरिया नामक युवक अपनी एक्टिवा पर दाहोद शहर के चाकलिया अंडरब्रिज से गुजर रहा था। उस वक्त तेज रफ्तार में आ रही मोटर साइकिल ने एक्टिवा को जबर्दस्त टक्कर मार दी। इस हादसे में रोशन को सिर में गंभीर चोट लगने से उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

सालों पहले ईसाई धर्म अंगीकार करनेवाले 70 परिवार हिन्दू धर्म में वापस लौटे

डांग (ईएमएस)। जिले के पांढरमाल गांव में आज 70 ईसाई परिवारों ने हिन्दू धर्म स्वीकार कर लिया। कई सालों पहले इन परिवारों ने हिन्दू धर्म छोड़कर ईसाई धर्म अंगीकार कर लिया था। लेकिन पिछले 5 साल से अग्निवीर संस्था की ओर से जंगल क्षेत्र में रहनेवाले वनवासी लोगों को सनातन धर्म और संस्कृति के बारे में जागृत करने की मुहिम रंग लाई और ईसाई धर्म अपने वाले 70 परिवार वापस हिन्दू धर्म में लौट आए। इस संस्था के स्वयं सेवकों के अथक प्रयासोंसे पिछले पांच वर्ष में पांच हजार से अधिक लोग हिन्दू धर्म में वापस लौट आए हैं। बता दें कि चार दिन पहले ही सापूतारा में 251 जितने दंपत्तियों ने पुनः हिन्दू धर्म अंगीकार किया था। 25 दिसंबर को ईसाई मिशनरी ने इन 251 दंपत्तियों का धर्म परिवर्तन कराया था। लेकिन दूसरे ही दिन इन दंपत्तियों ने हिन्दू धर्म में वापसी की। सापूतारा के तवेलगिरी नागेश्वर मंदिर में विश्व हिन्दू परिषद की ओर से एक कार्यक्रम आयोजित किया था। जिसमें अखिल भारतीय सनातन धर्म परिषद के अध्यक्ष योगेशदास बापू और केन्द्रीय सह मंत्री धर्मेन्द्रजी भवानी समेत यशोदा दीदी की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में विहिप पदाधिकारियों की मौजूदगी में 251 जितने दंपत्तियों ने तुलसी पूजन के साथ हिन्दू धर्म में वापसी की।

पश्चिम रेलवे द्वारा ओखा एवं दिल्ली सराय रोहिल्ला के बीच सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन का परिचालन

अहमदाबाद (ईएमएस)। यात्रियों की सुविधा और उनकी मांग को पूरा करने के लिए पश्चिम रेलवे द्वारा 11 जनवरी, 2022 से ओखा एवं दिल्ली सराय रोहिल्ला के बीच सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन विशेष किराये पर चलाने का निर्णय लिया गया है। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी सुमित ठाकुर द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार विशेष ट्रेन का विवरण इस प्रकार हैः-

☐ ट्रेन संख्या 09523/09524 ओखा-दिल्ली सराय रोहिल्ला सुपरफास्ट स्पेशल (14 फेरे)

ट्रेन संख्या 09523 ओखा-दिल्ली सराय रोहिल्ला स्पेशल प्रत्येक मंगलवार को ओखा से 10.00 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 10.10 बजे दिल्ली सराय रोहिल्ला पहुंचेगी। यह ट्रेन 11 जनवरी से 22 फरवरी, 2022 तक चलेगी। इसी तरह ट्रेन संख्याल 09524 दिल्ली सराय रोहिल्ला-ओखा स्पेशल प्रत्येक बुधवार को दिल्ली सराय रोहिल्ला से 13.20 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 13.50 बजे ओखा पहुंचेगी। यह ट्रेन 12 जनवरी से 23 फरवरी, 2022 तक चलेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में द्वारका, खंभालिया, जामनगर, हापा, राजकोट जं, सुरेंद्रनगर, विरमगाम जं, महेसाणा जं, उंझा, सिद्धपुर, पालनपुर जं, आबू रोड, फालना, मारवाड़ जं, ब्यावर, अजमेर, जयपुर, गांधी नगर जयपुर, बांदीकुई, अलवर और रेवाड़ी स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में एसी 2 टियर, एसी 3 टियर, स्लीपर क्लास और सेकेंड क्लास सीटिंग कोच होंगे।

ट्रेन संख्या 09523 की बुकिंग 2 जनवरी, 2022 से पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर शुरू होगी। उपरोक्त ट्रेन पूर्ण रूप से आरक्षित स्पेशल ट्रेन के रूप में विशेष किराये पर चलेगी। ट्रेनों के ठहराव, परिचालन समय, संरचना, बारम्बारता और संचालन के दिनों से संबंधित विस्तृत जानकारी के लिए यात्री .हिल्बि.र्ग्ट्टीर्हिगतु.दन.ग्ह पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं। पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों को बोर्डिंग, यात्रा और गंतव्य के दौरान कोविड-19 से संबंधित सभी मानदंडों तथा एसओपी का पालन करने का अनुरोध किया गया है।

पश्चिम रेलवे की 5 जोड़ी ट्रेनों में स्थायी तौर पर सेकेंड क्लास सीटिंग के अतिरिक्त डिब्बे

यात्रियों की सुविधा के लिए पश्चिम रेलवे द्वारा 5 जोड़ी ट्रेनों में स्थायी तौर पर सेकेंड क्लास सीटिंग के अतिरिक्त डिब्बे जोड़ने का निर्णय लिया गया है, जिनका विवरण इस प्रकार हैः-

ट्रेन संख्या 09159 बांद्रा टर्मिन – वापी पैसेंजर स्पेशल में बांद्रा टर्मिनस से 02.01.2022 से सेकेंड क्लास सीटिंग के चार अतिरिक्त डिब्बे जोड़े जायेंगे।

ट्रेन संख्या 09144 वापी – विरार शटल में वापी से 02.01.2022 से सेकेंड क्लास सीटिंग के चार अतिरिक्त डिब्बे जोड़े जायेंगे।

ट्रेन संख्या 19001/19002 विरार- सूरत एक्सप्रेस में विरार से 02.01.2022 से तथा सूरत से 03.01.2022 से सेकेंड क्लास सीटिंग के चार अतिरिक्त डिब्बे जोड़े जायेंगे।

ट्रेन संख्या 09143 विरार– वलसाड शटल स्पेशल में विरार से 03.01.2022 से सेकेंड क्लास सीटिंग के चार अतिरिक्त डिब्बे जोड़े जायेंगे।

ट्रेन संख्या 09160 वलसाड- बांद्रा टर्मिनस पैसेंजर स्पेशल में बांद्रा टर्मिनस से 03.01.2022 से सेकेंड क्लास सीटिंग के चार अतिरिक्त डिब्बे जोड़े जायेंगे।

जहर पिने से दोनों की मौत हुई

शराब पीने से रोका तो गुस्से में पति ने जहर पिया, फिर पत्नी ने भी पिया

घटना के बाद दोनों को इलाज के लिए सिविल में भर्ती कराया गया जहां दोनों की इलाज के दौरान मौत हो गई

राजकोट,३१ दिसंबर । गुजरात में शराबबंदी होने के बावजूद भी प्रतिदिन लाखों रुपए कीमत की शराब पकड़ी जा रही है, जिसके कारण राजकोट जिले के ग्रामीण इलाकों में प्रतिदिन शराब से जुड़ी घटनाएं सामने आ रही है। इसी क्रम में प्रतिदिन शराब पीने की आदत होने पर जब पत्नी ने इसका विरोध जताया तो आक्रोश में आकर पति ने शराब के बजाय जहर का ही सेवन कर लिया। जिससे पत्नी ने भी आहोश में आकर जहरीली दवा का सेवन कर आत्महत्या कर ली है। घटना के बाद दोनों को इलाज के लिए सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां दोनों की मौत हो गई । इस घटना में माता-पिता की मौत हो जाने के बाद बच्चों ने छत्रछाया गंवा दी है । जानकारी के अनुसार राजकोट के कुवाडवा के पास स्थित खरेडी गांव के चंदूभाई केरडिया की वाड़ी में रहने वाले मूल वडोदरा के रणजीत उदय ठाकोर (४५) और उनकी पत्नी नयनाबेन (३५) ने रात के समय कपास के लिए इस्तेमाल होने वाली जहरीली दवा का सेवन कर लिया। घटना के बाद दोनों को इलाज के लिए सिविल में भर्ती कराया गया जहां दोनों की इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना की जानकारी पाते ही स्थानीय पुलिस की टीम स्थल पर पहुंची। इसके बाद पुलिस जांच में स्पष्ट हुआ कि पति को शराब सेवन की लत थी इसलिए पत्नी उसे मना कर रही थी । शराब के कारण प्रतिदिन हो रहे विवाद से त्रस्त होकर पति ने आक्रोश में आते हुए कपास के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले जहर का सेवन कर लिया । इसके बाद पत्नी ने भी उसी जहर का सेवन कर लिया ।

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादकः लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोनः 079-22921482 Mob.9375504122, 9327086467 R.N.I. 63177/95